रजिस्ट्री सं. डी. एल.-33001/97

REGISTERED NO. D. L.—33001/97

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 19] नई दिल्ली, शनिवार, मई 10, 1997/वैशाख 20, 1919

No. 19] NEW DELHI, SATURDAY, MAY 10, 1997/VAISAKHA 20, 1919

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं
Statutory Orders and Notifications Issued by the Ministries of the Government of India (Other than the Ministry of Defence)

गृह मन्त्रालय

नई दिल्ली, 3 अप्रैल, 1997

का.आ. 1212.—केन्द्रीय सरकार, राजभाषा (संघ शासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग) नियम, 1976 के नियम 10 के उपनियम-(4) के अनुसरण में, गृह मन्त्रालय के निम्नलिखित कार्यालय में हिन्दी का कार्यसाधक ज्ञान रखने वाले कर्मचारियों की संख्या 80 प्रतिशत से अधिक हो जाने के फलस्वरूप उन्हें एतद्द्वारा अधिसूचित करती है :—

"कार्यालय अपर पुलिस उप महानिरीक्षक, ग्रुप केन्द्र, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल, इलाहाबाद (उ.प्र.)"।

[संख्या 12017/1/97-हिन्दी]

के. सी. कपूर, निदेशक

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

New Delhi, the 3rd April, 1997

S.O. 1212.—In pursuance of Sub-Rule (4) of Rule 10 of the Official Languages (use for Official purposes of the Union) Rules, 1976, the Central Government hereby notifies the following office of the Ministry of Home Affairs where the percentage of Hindi knowing staff has gone above 80% :—

"Office of the Additional Inspector Genera of Police, C.R.P.F., Allahabad, Uttar Pradesh."

[No. 12017/1/97-Hindi]

K. C. KAPOOR, Director

कार्मिक लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय

(कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 17 अप्रैल, 1997

का. आ. 1213.—केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना अधिनियम, 1946 (1946 का अधिनियम सं. 25) की धारा 6 के साथ पठित धारा 5 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए कर्नाटक राज्य सरकार की दिनांक 2-4-1997 की अधिसूचना सं. एचडी/89/पीसीआर/97 द्वारा प्राप्त सहमति से कर्नाटक राज्य के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग में चिकित्सा शिक्षा संबंधी मामलों में हुई अनियमितताओं में संलिप्त व्यक्तियों, जैसाकि वर्ष 1992-93 की कर्नाटक विधायी प्राक्कलन समिति रिपोर्ट (अंतरिम रिपोर्ट) में निर्दिष्ट है, के विरुद्ध भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 (1988

का अधिनियम सं. 49) अथवा सम्पूर्ण कर्नाटक राज्य के भीतर किसी अन्य कानून के उपबंधों के अंतर्गत मामले के रजिस्ट्रीकरण और अन्वेषण के लिए दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना के सदस्यों की शक्तियां और अधिकारिता का विस्तार करती है।

[संख्या 228/28/97-ए.वी.डी-II]

एस. सी. तिवारी, उप सचिव

MINISTRY OF PERSONNEL, PUBLIC GRIEVANCES AND PENSIONS

(Department of Personnel & Training)

ORDER

New Delhi, the 17th April, 1997

S.O. 1213.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5 read with section 6 of the Delhi Special Police Establishment Act, 1946 (Act No. 25 of 1946), the Central Government with the consent of the State Government of Karnataka's Notification No. HDV89/PCR/97 dated 2-4-1997, hereby extends the powers and jurisdiction to the members of the Delhi Special Police Establishment for registration and investigation of a case against those persons who are involved in the irregularities in medical education matters in the Health and Family Welfare Department of Karnataka State as pointed out by the Karnataka Legislative Estimates Committee Report of 1992-93 (Interim Report) under the provisions of he Prevention of Corruption Act, 1988 (Act No. 49 of 1988) or any other law within the whole State of Karnataka.

[No. 228/28/97-AVD. II]

S. C. TEWARY, Dy.. Secy.

वित्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

(बैंकिंग प्रभाग)

नई दिल्ली, 23 अप्रैल, 1997

का.आ. 1214.—बैंककारी विनियम अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 53 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारतीया रिजर्व बैंक की सिफारिश पर एतद्द्वारा घोषणा करती है कि उक्त अधिनियम की धारा 19 की उपधारा (2) के उपबन्ध यूनाइटेड बैंक आफ इण्डिया, कलकत्ता पर 31 दिसम्बर, 1998 तक उस सीमा तक लागू नहीं होंगे जहां तक उनका संबंध गिरवीदार के रूप में मैसर्स बंगाल टूल्स एण्ड इंजीनियरिंग कं. प्रा. लि., कलकत्ता की प्रदत्त शेयर पूंजी की उसकी धारिता से है।

[सं. 15/1/95-बी.ओ.ए.]

पी. मोहन, निदेशक (बीओ)

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

(Banking Division)

New Delhi, the 23rd April, 1997

S.O. 1214.—In exercise of the powers conferred by the Section 53 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government on the recommendation of the Reserve Bank of India, hereby declares that the provisions of sub-section (2) of Section 19 of the said Act shall not apply to the United Bank of India, Calcutta for a period upto 31st December, 1998 in respect of its holding shares of M/s. Bengal Tools and Engineering Co. Pvt. Ltd., Calcutta, as pledgee.

[F. No. 15/1/95-BOA]

P. MOHAN, Director (BO)

नई दिल्ली, 24 अप्रैल, 1997

का.आ 1215.—भारतीय रिजर्व बैंक की संस्तुति पर बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 56 के साथ पठित धारा 53 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्र सरकार, एतद्द्वारा, घोषणा करती है कि जिला सहकारी बैंक लि. लखनऊ (उत्तर प्रदेश) पर, उक्त अधिनियम की धारा 11 की की उपधारा 1 के उपबंध इस अधिसूचना के सरकारी राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 31 मार्च, 1999 तक लागू नहीं होंगे।

[फा. सं. 1(13)/97-ए.सी.]

एस. के. ठाकुर, अवर सचिव

New Delhi, the 24th April, 1997

S.O. 1215.—In exercise of the powers conferred by Section 53 read with Section 56 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949) the Central Government, on the recommendations of the Reserve Bank of India, declares that the provisions of sub-section 1 of Section 11 of the said Act shall not apply to the Zila Sahakari Bank Ltd., Lucknow (Uttar Pradesh) from the date of publication of this notification in the Official Gazette to 31st March, 1999.

[F. No. 1(13)/97-AC]

S. K. THAKUR, Under Secy.

नई दिल्ली, 24 अप्रैल, 1997

का.आ 1216.—भारतीय रिजर्व बैंक की संस्तुति पर बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 56 के साथ पठित धारा 53 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्र सरकार, एतद्द्वारा, घोषणा करती है कि दि एलेप्पी अर्बन सहकारी बैंक लि., एलेप्पी पर 31 मार्च, 1996 को समाप्त वर्ष के लिए उसके द्वारा उसके तुलन पत्र, लाभ-हानि लेखे एवं लेखा परीक्षक की रिपोर्ट समाचार पत्रों में प्रकाशित करने के संबंध में बैंककारी विनियमन (सहकारी समितियां), नियमावली, 1966 के नियम 10 के साथ पठित उक्त अधिनियम की, धारा 31 के उपबंध लागू नहीं होंगे।

[सं. 1(14)/97-ए. सी.]

एस. के. ठाकुर, अवर सचिव

New Delhi, the 24th April, 1997

S.O. 1216.—In exercise of the powers conferred by Section 53 read with Section 56 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949). The Central Government on the recommendation of Reserve Bank of India hereby declares that the provisions of Section 31 of the said Act read with Rule 10 of the Banking Regulation (Cooperative Societies) Rules, 1966 shall not apply to The Alleppey Urban Co-operative Bank Ltd., Alleppey in so far as they relate to the publication of their

balance sheet and profit and loss account for the year ended 31-3-1996 with the auditor's report in a newspaper.

[No. 1(14)/97-AC]
S. K. THAKUR, Under Secy.

नई दिल्ली, 24 अप्रैल, 1997

का.आ. 1217.—भारतीय रिजर्व बैंक की संस्तुति पर बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 56 के साथ पठित धारा 53 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्र सरकार, एतद्द्वारा, घोषणा करती है कि परिषद सहकारी बैंक लि., नई दिल्ली पर वर्ष 1994-95 और 1995-96 को समाप्त वर्ष के लिए उसके द्वारा उसके तुलन पत्र, लाभ हानि लेखे एवं लेखा परीक्षक की रिपोर्ट समाचार पत्रों में प्रकाशित करने के संबंध में बैंककारी विनियमन (सहकारी समितियां) नियमावली, 1966 के नियम 10 के साथ पठित उक्त अधिनियम की धारा 31 के उपबंध लागू नहीं होंगे ।

[सं. 1(15)/97-ए. सी.]
एस. के. ठाकुर, अवर सचिव

New Delhi, the 24th April, 1997

S.O. 1217.—In exercise of the powers conferred by Section 53 read with Section 56 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949) the Central Government on the recommendation of Reserve Bank of India hereby declares that the provisions of Section 31 of the said Act read with Rule 10 of the Banking Regulation (Cooperative Societies) Rules, 1966 shall not apply to Parishad Co-operative Bank Ltd., New Delhi in so far as they relate to the publication of their balance sheet and profit and loss account for the year 1994-95 and 1995-96 with the auditor's report in a newspaper.

[F. No. 1(15)/97-AC]
S. K. THAKUR, Under Secy.

शुद्धि-पत्र

नई दिल्ली, 24 अप्रैल, 1997

का.आ. 1218.—का.आ. सं. 2850 के तहत दिनांक 12 अक्तूबर, 1996 को भारत के राजपत्र के भाग II खण्ड 3(ii) में प्रकाशित दिनांक 24 सितम्बर, 1996 की अधिसूचना एफ. सं. 1(28)/96-एसी में, अंतिम पंक्ति में तारीख को 31 मार्च, 1999 के स्थान पर 31 मार्च, 1997 पढ़ा जाए।

[सं. 1(28)/96-ए.सी.]
एस. के. ठाकुर, अवर सचिव

CORRIGENDUM

New Delhi, the 24th April, 1997

S.O. 1218.—In the Notification F. No. 1(28)/96-AC dated the 24th September, 1996 published in the Gazette of India Part II, Section 3(ii) dated 12 October 1996 vide S.O. No. 2850 the date in the last line should be read as 31 March, 1997 in lieu of 31 March, 1999.

[No. 1(28)/96-AC]
S. K. THAKUR, Under Secy.

नई दिल्ली, 24 अप्रैल, 1997

का.आ. 1219:—केन्द्रीय सरकार, राजभाषा (संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग) नियम, 1976 के नियम 10 के उपनियम (4) के अनुसरण में, निम्नलिखित बैंकों के सूचीबद्ध कार्यालयों/शाखाओं को, जिनके 80 प्रतिशत से अधिक कर्मचारियों ने हिन्दी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है, एतद्द्वारा अधिसूचित करती है:—

क्रम संख्या	बैंक का नाम	कार्यालयों/शाखाओं की संख्या
1.	स्टेट बैंक आफ सौराष्ट्र	49
2.	बैंक आफ महाराष्ट्र	09
3.	कार्पोरेशन बैंक	01
4.	सेंट्रल बैंक आफ इंडिया	04
5.	कैनरा बैंक	02
	भारतीय रिजर्व बैंक	01
	स्टेट बैंक आफ बीकानेर एंड जयपुर	08
8.	इंडियन ओवरसीज बैंक	11
	योग	85

[सं. 11016/3/96-हिन्दी]
जी. आर. सुमन, उपसचिव

New Delhi, the 24th April, 1997

S.O. 1219.—In pursuance of sub-rule (4) of Rule 10 of the Official Languages (use for Official Purposes of the Union) Rules 1976, the Central Government, hereby, notifies the listed offices/branches of the following banks more than 80% of the staff whereof have acquired the working knowledge of Hindi :—

S.No.	Name of the Banks	No. of Offices/ Branches
1.	State Bank of Saurashtra	49
2.	Bank of Maharashtra	09
3.	Corporation Bank	01
4.	Central Bank of India	04
5.	Canara Bank	02
6.	Reserve Bank of India	01
7.	State Bank of Bikaner & Jaipur	08
8.	Indian Overseas Bank	11
	Total	85

[F. No. 11016/3/96-Hindi]
G. R SUMMAN, Dy. Secy.

राजभाषा नियमावली 1976 के नियम 10(4) के अंतर्गत अधिसूचित की जाने वाली शाखाओं/कार्यालयों की सूचना

स्टेट बैंक आफ सौराष्ट्र

प्रधान कार्यालय : भावनगर

राजकोट अंचल कार्यालय,

1. स्टेट बैंक आफ सौराष्ट्र
अंचल कार्यालय, स्वामी विवेकानन्द मार्ग,
रामकृष्ण नगर, डाक पेटी सं. 7,
राजकोट-360002 (गुजरात)

2. सींदसर शाखा
नवापरा, सींदसर, (गुजरात)
पिन कोड 364 060

3. अमरगढ़ शाखा
श्री के. जे. मेहता टी. बी. होस्पीटल कंपाउण्ड,
अमरगढ़-364210 (गुजरात)

4. ठाडच शाखा
तहसील : पालीताणा, ठाडच,
पिन कोड 364 140 (गुजरात)

5. कोलियाक शाखा
हाई स्कूल के पास, कोलियाक,
जिला-भावनगर, (गुजरात) 364070

6. मोटा खुटवडा शाखा
मोटा खुटवाडा, तहसील-महुवा,
जिला-भावनगर (गुजरात)-364280

7. चमारडी शाखा
चमारडी, तहसील-बाबरा,
पिन कोड-364410 (गुजरात)

8. दलखानिया शाखा,
दलखानिया, तहसील-धारी,
जिला-अमरेली (गुजरात)-364 641

9. मतिराला शाखा
मतिराला, तहसील-लाठी,
पिनकोड-364 338 (गुजरात)

10. शाखपुर शाखा
तहसील-लाठी, शाखपुर
पिन कोड- 364 220 (गुजरात)

11. वावेरा शाखा
तहसील- राजुला, वावेरा
(जिला अमरेली) पिन कोड 365570 (गुजरात)

12. वणाकबारा शाखा
वणाकबारा
पिनकोड- 362 570 (गुजरात)

13. घोघला शाखा
घोघला, पिनकोड 362 540 (दीव)

14. गोविन्दपुर शाखा
गोविंदपुर, जिला- अमरेली (गुजरात)
पिनकोड- 364 640

15. खीरसरा शाखा
खीरसरा (घेड)
तहसील : केशोद, जिला- जूनागढ़
पिनकोड- 362 224 (गुजरात)

List of branches/offices to be notified under Rule 10(4) of Official Languages Rules, 1976

STATE BANK OF SAURASHTRA

HEAD OFFICE, BHAVNAGAR

Rajkot, Zonal Office.

1. State Bank of Saurashtra,
Zonal Office, Swami Vivekanand Road,
Ramkrishna Nagar, P.B. No. 7,
Rajkot-360002, (Gujarat).

2. Sidsar Branch,
Navapara, Sidsar, (Gujarat),
Pincode-364060.

3. Amargadh Branch,
Shri K. J. Mehta T. B. Hopsital
Compound, Amargadh-364210, (Gujarat).

4. Thadach Branch,
Taluka Palitana, Thadach.
Pincode-364140, (Gujarat).

5. Koliyak Branch,
Near High School, Koliyak,
District Bhavnagar (Gujaart)-364070.

6. Mota Khuntwada Branch,
Mota Kuntwada, Taluk-Mahuva,
District Bhavnagar, (Gujrat)-364280.

7. Chamardi Branch,
Chamardi, Taluka-Babra,
Pincode-364410, (Gujarat).

8. Dalkhania Branch,
Dalkhania, Taluka-Dhari,
District Amreli, (Gujarat)-364641.

9. Matirala Branch,
Matirala, Taluka-Lathi,
Pincode-364430, (Gujarat).

10. Shakhpur Branch,
Taluka-Lathi, Shakhpur.
Pincode-364229, (Gujarat).

11. Vavera Branch,
Taluka-Rajula, Vavera (Disttrict Amreli),
Pincode-365570, (Gujarat).

12. Vanakbara Branch,
Vanakbara,
Pincode-362570, (Gujarat).

13. Ghoghala Branch,
Ghoghala, Pin-362540, (Div.).

14. Govindpur Branch,
Govindpur, District Amreli, (Gujrat).
Pincode-364640.

15. Khirasara Branch,
Khirasara Ghed,
Govindpur, District Amreli, (Gujrat).
Tal. Keshod, District Junagadh,
Pincode-362224, (Gujrat).

16. माणावदर शाखा
गांधी चौक, पिन कोड-362 630 (गुजरात)
माणावदर

17. मांगरोल शाखा
जूना बस स्टैण्ड के पास,
मांगरोल, जिला–जूनागढ़-362225
(गुजरात)

18. मांरासा शाखा
मारासा, तहसील वेरावल,
जिला जूनागढ़-362 275 (गुजरात)

19. प्रभास पाटण शाखा
अरुणोदय, सोमनाथ मंदिर के पास
प्रभास पाटण-362 268 (गुजरात)

20. सासण गीर शाखा
तहसील-तलाला
सासण गीर-362 135 (गुजरात)

21. शापुर शाखा
ग्राम पंचायत कचेरी के पास,
तहसील वंथली, शापुर 362205 (गुजरात)

22. शेरबाग गढ़ शाखा
रेलवे गेट के सामने
शेरबाग गढ़-362 255 (गुजरात)

23. उना शाखा
स्टेशन रोड, उना (गुजरात)-362 560

24. वंथली (सोरठ) शाखा
वंथली (सोरठ)
पिन कोड-362010 (गुजरात)

25. विसावदर शाखा
बैंक रोड, विसावदर-362 130 (गुजरात)

26. टंकारा शाखा
लक्ष्मीनारायण स्ट्रीट,
टंकारा (ता-मोरबी, जिला–राजकोट),
(गुजरात-363650)

27. जसदण शाखा
पटेल शेरी, जसदण-360050 (गुजरात)

28. रामोद शाखा
(ता. कोटडा सांगणी-360311)
(जि.–राजकोट (गुजरात)

29. भायवदार शाखा
लोहाणा महाजन वाडी के सामने,
बाजार चौक, भायावदर (जि. राजकोट)-
360 450 (गुजरात)

30. गांधीधाम शाखा
प्लाट नं. 258, वार्ड नं. 12–बी,
गांधीधाम (गुजरात)- 370201

31. कोटडा सांगणी शाखा
दरबारगढ़ बाजार,
कोटडा सांगड़ी-360030 (गुजरात)

32. चोटीला शाखा
स्टेशन रोड, चोटीला-363520
(गुजरात)

33. कालावाड शाखा
लिमडा चौक
कालावाड (शीतल)-361160, (गुजरात)

16. Manavadar Branch,
Gandhi Chowk, Pin-362630, (Gujrat).
Manavadar.

17. Mangrol Branch,
Near Old Bus Stand,
Mangrol, District Jungadh-362225, (Gujrat).

18. Morasa Branch,
Morasa, Tah. Veraval,
District Jungadh-362275, (Gujrat).

19. Prabhas Patan Branch,
Arunoday, Near Somnath Temple,
Prabhas Patan-362268, (Gujrat).

20. Sasan Gir Branch,
Taluka-Talala,
Sasam Gir-362135, (Gujrat).

21. Shapur Branch,
Opp. Gram Panchayat Office,
Taluka Vanthali, Shapur-362205, (Gujrat).

22. Sherbaug (Gadu) Branch,
Opp. Railway Gate,
Sherbaug Gadu-362255, (Gujrat).

23. Una (Main) Branch,
Station Road, Una, (Gujrat)-362560.

24. Vanthali (Sorath) Branch,
Vanthali (Sorath),
Pin-362610, (Gujrat).

25. Visavadar Branch,
Bank Road,
Visavadar-362130, (Gujrat).

26. Tankara Branch,
Laxminarayan Street,
Tankara, (Ta. Morvi District Rajkot),
Pincode-363650, (Gujrat).

27. Jasdan Branch,
Patel Street, Jasdan-360050, (Gujrat).

28. Ramod Branch,
Taluka-Kotada, Sangani-360311,
(Gujrat).

29. Bhayavadar Branch,
Opp. Lohana Mahajan Wadi,
Bazar Chowk, Bhayavadar-360450,
(Gujrat).

30. Gandhidham Branch,
Plot No. 258, Sector No. 12/B,
Gandhidham (Kutch)-370201, (Gujrat).

31. Kotda Sangani Branch,
Darbargadh Bazar,
Kotada Sangani-360030, (Gujrat).

32. Chotila Branch,
Station Road, Chotila,
Chotila-363520, (Gujrat).

33. Kalavad Branch,
Limda Chowk, Kalavad (Shitla),
Pin Code-361160, (Gujrat).

34. खंभालिया (मुख्य शाखा)
गांधी चौक खंभालिया, -361305
(गुजरात)

35. भाटिया शाखा
भाटिया (जि. जामनगर)-361315
(गुजरात)

36. मुली शाखा
बिन्दिया, मुली (जिला सुरेन्द्र नगर)-363510
(गुजरात)

37. जामवाली शाखा
जामवाली-361160 (गुजरात)

38. जामजोधपुर (मुख्य शाखा)
स्टेशन रोड, गांधी चौक,
जामजोधपुर-360530

39. अंकलेश्वर शाखा
रवी काम्प्लेक्स, नया बांस स्टैंड के सामने,
जी आई डी सी औद्योगिक वसाहत, अंकलेश्वर-393001
(गुजरात)

40. आणंद शाखा
सरदारगंज के सामने, पो. बा सं 1,
आनंद-388001 (गुजरात)

41. छत्राल शाखा
औद्योगिक वसाहत, प्लाट नं 607,
जी आई डी सी, छत्राल-382729
(गुजरात)

42. कलोल (उ०गु०) (शाखा)
स्टेशन रोड, कलोल (उ.गु.)-382 721 गुजरात

43. खंभात शाखा
पारेख शोपिंग सैन्टर, टीन बत्ती,
स्टेशन रोड, खंभात-388620
(गुजरात)

44. मुम्बई (मांडवी) शाखा
339/341, रावल चैम्बर्स,
सैम्यूल स्ट्रीट, वहुगादी, मांडवी,
मुम्बई-400 056 (महाराष्ट्र)

45. सूरत (रिंग रोड) शाखा
रिंग रोड, स्वामी बाग,
फायर ब्रिगेड स्टेशन के सामने,
सूरत-395002 (गुजरात)

46. सानंद शाखा
हरीकृष्ण संकुल, एस.टी. बस स्टैण्ड के सामने,
सानंद-382110 (गुजरात)

47. अहमदाबाद (उस्मानपुरा) शाखा
अजंता कमर्शियल सैन्टर,
आश्रम रोड, उस्मानपुरा,
अहमदाबाद-380009 (गुजरात)

48. विसनगर शाखा
श्रीजी मार्केट, बस स्टैण्ड के पास,
कालेज रोड, विसनगर-384315
(गुजरात)

49. नई दिल्ली (सिद्धार्थ एक्स०) शाखा
136, भगवाननगर, जीवन नर्सिंग होम के सामने,
नई दिल्ली-110014

34. Khambhalia (Main) Branch,
Gandhi Chowk, Khambhalia,
Pincode-361305, (Gujrat).

35. Bhatia Branch,
Bhatia, (District Jamnagar),
Pincode-361315, (Gujrat).

36. Muli Branch,
Bindiaa, Muli,
District Surendranagr-361510, (Gujrat).

37. Jamvali Branch,
Jamvali, District Jamnagar,
Pincode-361160, (Gujrat).

38. Jamjodhpur (Main) Branch,
Station Road, Gandhi Chowk,
Jampodhpur-360530, (Gujrat).

39. Anklehswar Branch,
Ravi Complex, Near New Bus Stand,
GIDC Industrial Estate,
Ankleshwar-393001, (Gujrat).

40. Anand Branch,
Opp. Sardargani,
P.B. No. 1, Anand-388001, (Gujrat).

41. Chhatral Branch,
Industrial Estate, Plot No. 607,
G.I.D.C., Chhatral-382729, (Gujrat).

42. Kalol Branch,
Station Road, Kalol (North Gujrat),
Pincode-382721.

43. Khambhat Branch,
Parekh Shopping Centre,
Tin Batti, Station Road,
Khambhat-388620, (Gujrat).

44. Mumbai (Mandvi) Branch,
339/341, Raval Chambers,
Samuel Street, Wadgadi, Mandvi Branch,
Mumbai-400056, (Maharashtra).

45. Surat (Ring Road) Branch,
Ring Road, Swami Baug.,
Opp. Fire Bridge Station,
Surat-395002, (Gujrat),

46. Sanand Branch,
Hari Krishna Complex,
Opp. S.T. Stand, Sanand-382110, (Gujrat).

47. Ahmedabad (Usmanpura) Branch,
Ajanta Commercial Centre,
Ashram Road, Usmanpura,
Ahmedabad-380009, (Gujrat).

48. Visnagar Branch,
Shreeji Market, Near Bus Stand,
College Road,
Visnagar-384315, (Gujrat).

49. New Delhi (Sidhadharth Ext.) Branch,
136, Bhagwan Nagar,
Opp. Jivan Nursing Home,
New Delhi-110014.

राजभाषा नियम 10(4) के अन्तर्गत बैंक की शाखाओं/कार्यालयों का अधिसूचीकरण

"ब" क्षेत्र

पुणे शहर क्षेत्र :

1. लघु उद्योग शाखा,
बैंक आफ महाराष्ट्र,
"जनमंगल", 1177 बुधवार पेठ,
पुणे-411002

1. S.S.I Branch,
Bank of Maharashtra,
"Janmangal" 1177 Budhwar Peth,
Pune-411 002.

2. पुणे मुख्य शाखा,
बैंक आफ महाराष्ट्र,
"लोकमंगल", 1501, शिवाजी नगर,
पुणे-411005

1. Pune Main Branch,
Bank of Maharashtra,
"Lokmangal" 1501, Shivajinagar,
Pune-411 005.

3. हडपसर औद्योगिक वसाहत शाखा,
बैंक आफ महाराष्ट्र,
"जनमंगल", 7ए/2, हडपसर
औद्योगिक वसाहत,
पुणे-411013

3. Hadapsar I.E. Branch,
Bank of Maharashtra,
"Janmangal" 7A|2, Hadapsar,
Ind. Estate,
Pune-411 013.

4. कृषि उच्च प्रौद्योगिकी शाखा
बैंक आफ महाराष्ट्र,
महाबैंक भवन, कर्वे मार्ग,
पुणे-411004

4. Agri. Hi-tech Branch,
Bank of Maharashtra,
Mahabank Bldg., Karve Road,
Pune-411 004.

पुणे ग्रामीण क्षेत्र :

5. चाकण शाखा,
बैंक आफ महाराष्ट्र,
शिवकृपा शापिंग सेंटर,
मार्केट यार्ड के सामने
चाकण-410501
(जिला पुणे)

5. Chakan Branch,
Bank of Maharashtra,
Shivkripa Shopping Centre,
Opp. Market Yard,
Chakan-410 501.
(Dist. Pune).

रायगढ़ क्षेत्र :

6. कृषि उच्च प्रौद्योगिकी शाखा,
बैंक आफ महाराष्ट्र
चेवाले बिल्डिंग,
शेषनाथ वाडेकर रोड,
अलिबाग-402201
(जिला रायगढ़)

6. Agri. Hi-tech Branch,
Bank of Maharashtra,
Chewale Building,
Sheshnath Wadekar Rd.
Alibag-402 201 (Dist. Rajgad).

नासिक क्षेत्र :

7. कृषि उच्च प्रौद्योगि की शाखा
बैंक आफ महाराष्ट्र,
बैंक आफ महाराष्ट्र बिल्डिंग,
दूसरा माला, जनमंगल,
तिलक मार्ग,
नासिक-422001

7. Agri Hi-tech. Branch,
Bank of Maharashtra,
Bank of Maharashtra Building,
Second Floor, Janmangal,
Tilak Road,
Nasik-422 001.

नागपुर क्षेत्र :

8. नरेन्द्र नगर शाखा,
बैंक आफ महाराष्ट्र,
61 सुयोगनगर को-आप. हाउसिंग सोसायटी,
नरेन्द्रनगर, रिंग रोड,
नागपुर-440015

8. Narendranagar Branch,
Bank of Maharashtra,
61, Suyognagar Co-op.,
Housing Society,
Narendanagar, Ring Road,
Nagpur-440 015.

चन्द्रपुर क्षेत्र :

9. वडगांव शाखा,
बैंक आफ महाराष्ट्र,
प्लाट क्र० 29, तायडे भवन
नागपुर रोड,
चन्द्रपुर-422401

कार्पोरेशन बैंक

कार्पोरेशन बैंक,
प्रधान कार्यालय,
मंगला देवी टेंपल रोड
पो. बा. सं. 88,
मंगलूर-575001

सैन्ट्रल बैंक आफ इंडिया

1. पालियोड शाखा (अर्द्ध शहरी)
तिरुअनन्तपुरम चेन्नई

2. आयूर शाखा (अर्द्ध शहरी)
कोल्लम, तिरुअनन्तपुरम,
चेन्नई ।

3. वेंजार मूड शाखा (अर्द्ध शहरी)
तिरुअनन्तपुरम, चेन्नई ।

4. कुमार पुरम शाखा (शहरी)
तिरुअनन्तपुरम, चेन्नई

कैनरा बैंक

1. कैनरा बैंक
"यजुर्वेद," चन्द्रकान्त निवास
स्टेशन रोड, भोइंदर (प)
मुम्बई-400 101

2. कैनरा बैंक,
प्लाट सं. 6 बी,
271, अस्पताल एरिया
खेमानी बस अड्डे के पास,
उल्हासनगर-421 002

भारतीय रिजर्व बैंक

1. भारतीय रिजर्व बैंक,
केन्द्रीय कार्यालय, शहीद भगत सिंह मार्ग,
मुम्बई-400001

स्टेट बैंक आफ बीकानेर एंड जयपुर

प्रधान कार्यालय जयपुर
जिला—जयपुर

1. औद्योगिक वित्त शाखा,
जयपुर ।

9. Vadgaon Branch,
Bank of Maharashtra,
Plot No. 29, Tayade Building,
Nagpur Road,
Chandrapur-422 401.

CORPORATION BANK

10. Corporation Bank,
Head Office,
Mangaladevi Temple Road,
P. B. No. 88,
Mangalore-575 001.

CENTRAL BANK OF INDIA

1. Paliyod Branch,
(Sami Urban),
Trivendrum,
Chennai.

2. Ayur Branch,
(Semi urban),
Kollam, Trivendrum, Chennai.

3. Venzar Mud Branch,
(Semi urban),
Trivendrum, Channai.

4. Kumar Puram Branch (Urban),
Trivendrum, Chennai.

CANARA BANK

1. Canara Bank,
Yajurved, Chandrakant Nivas,
Station Road, Bhayander (W.3,
Mumbai-400 101.

2. Canara Bank,
Plot No. 6B, 271,
Hospital Area,
Near Khemani Bus Stand,
Ulhasnagar-421 002.

RESERVE BANK OF INDIA.

1. Reserve Bank of India,
Central Office,
Shaheed Bhagat Sinugh Marg,
Mumbai-400 001.

STATE BANK OF BIKANER & JAIPUR,
HEAD OFFICE, JAIPUR.

DISTRICT-JAIPUR.

1. Industrial Finance Branch,
Jaipur.

2. गोविन्दनगर, जयपुर।

जिला–अलवर

3. खेरली

4. टपूकड़ा

जिला–दौसा

5. महुआ

जिला–बारां

6. अन्ता

जिला–भीलवाड़ा

7. इन्द्रा मार्केट, भीलवाड़ा

जिला–जोधपुर

8. चोपासनी हाउसिंग बोर्ड,
जोधपुर

राजभाषा, नियम 1976 के नियम 10(4) के अंतर्गत अधिसूचित की जाने वाली शाखाएं/कार्यालय

इंडियन ओवरसीज बैंक

तिरुअनन्तपुरम क्षेत्र

1. इंडियन ओवरसीज बैंक,
पालोड शाखा, राजेश बिल्डिंग,
के एस आर टी सी बस स्टेशन के सामने,
पालोड पाचा पो.आ. 695561
तिरुअनन्तपुरम जिला, केरल

2. इंडियन ओवरसीज बैंक
मणनाक्कु शाखा,
शियास बिल्डिंग, मणनाक्कु,
पेरुकुलम पो.आ. अलमकोड,
तिरुअनन्तपुरम-695102, केरल

3. इंडियन ओवरसीज बैंक
अरालुमडु शाखा,
एन एम सी III/218, मार्केट के पास,
अतियनूर ब्लाक, अरालूमडू-695123
तिरुअनन्तपुरम जिला, केरल

4. इंडियन ओवरसीज बैंक
कोमलपुरम शाखा, VIII/18, पतिरापल्ली डाक-688521
आलेप्पी जिला

5. इंडियन ओवरसीज बैंक
गांधीनगर शाखा, पो. बा. नं. 467 कार्मेल बिल्डिंग,
गांधी नगर काट्टन मिल
वझूदक्काड़ तिरुअनंतपुरम-395014

6. इंडियन ओवरसीज बैंक,
कल्लरा शाखा, एम ए बी बिल्डिंग,
कल्लरा-695608, तिरुअनन्तपुरम जिला,
केरल

7. इंडियन ओवरसीज बैंक,
भरतन्नूर शाखा, 1005/VII भरतन्नूर पो.आ. पिन-695616
तिरुअनन्तपुरम जिला, केरल

8. इंडियन ओवरसीज बैंक
एडतुवा शाखा, पिलग्रिम सेंटर बिल्डिंग,
एडतुवा, आलप्पुषा जिला,
पिन-689573, केरल

2. Govind Nagar, Jaipur.

DISTRICT ALWAR.

3. Kherli,

4. Tapukada.

DISTRICT - DAUSA.

5. Mahuwa.

DISTRICT - BARAN.

6. Anta.

DISTRICT - BHILWARA.

7. Indra Market, Bhilwara,

DISTRICT - JODHPUR.

8. Chopasani Housing Board,
Jodhpur.

Branches/Offices to be notified under Rule 10(4) of the Official Languages Rules, 1976.

INDIAN OVERSEAS BANK
Thiruvananthapuram Region.

1. Indian Overseas Bank,
Palode Branch, Rajesh Building,
Opp. to KSRTC Bus Station,
Palode, Pacha P.O.-695562,
Thiruvananthapuram, Dt. Kerala.

2. Indian Overseas Bank,
Mananakku Branch,
Shiyas Building, Mananakku,
Perumkulam P.O., Alamcode,
Thiruvananthapuram-695102, (Kerala.

3. Indian Overseas Bank,
Aralumoodu Branch,
NMC, III/218, Near Market,
Athiyanoor Block, Aralumoodu-695123,
Thiruvananthapuram, Dt. Kerala.

4. Indian Overseas Bank,
Komalapuram Branch,
VIII/18, Pathirapalli, P.O.-688521,
Alleppey District.

5. Indian Overseas Bank,
Gandhi Nagar Branch,
P.O. Box No. 467, Carmel Building,
Gandhi Nagar Cotton Mill,
Vazhuthacaud, Thiruvananthapuram-695014.

6. Indian Overseas Bank,
Kallara Branch,
MAB Building, Kallara-695608,
Thiruvanathapuram Dt., Kerala.

7. Indian Overseas Bank,
Bharathannur Branch,
1005/VII, Bharathanur P.O.,
Pin-695616,
Thiruvananthapuram Dt. Kerala.

8. Indian Overseas Bank,
Edathuva Branch,
Pilgrim Centre Building, Edathuva,
Alapuzha District,
Pin-689593, Kerala.

9. इंडियन ओवरसीज बैंक,
वेट्टूर शाखा, लक्ष्मणा बिल्डिंग
पुनेमाचंदा (वर्कला इंदोवर मार्केट के सामने,
वर्कला, पिन-695141, केरल

10. इंडियन ओवरसीज बैंक,
चारोट्टिकोण शाखा कडक्कलम प्लामूट काड
पो.आ० तिरुअनन्तपुरम
जिला-695128 केरल

चण्डीगढ़ क्षेत्र

11. इंडियन ओवरसीज बैंक,
श्रीनगर शाखा, बोलवार्ड रोड, डलगेट,
श्रीनगर, जम्मू व काश्मीर-190001

9. Indian Overseas Bank,
Vettoor Branch,
Lakshmana Building,
Puthenchantha (Near Varkala Indover Market) Varkala, Pin-695141,
Kerala.

10. Indian Overseas Bank,
Charottikonom Branch
Kadakulam Plamootukada P.O.,
Thiruvananthapuram District,
Pin-695128, Kerala.

CHANDIGARH REGION

11. Indian Overseas Bank,
Srinagar Branch.
Boulvard Road, Dalgate,
Srinagar,
Jammu & Kahsmir-190001.

नई दिल्ली, 28 अप्रैल, 1997

का०आ० 1220.—रुग्ण औद्योगिक कम्पनी (विशेष उपबंध) अधिनियम, 1985 की धारा 6 की उप धारा (2) के साथ पठित धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एतद्द्वारा, श्री एस० एल० कपूर को 1 अप्रैल, 1997 से 30 सितम्बर, 1997 तक की अवधि के लिए औद्योगिक तथा वित्तीय पुनर्निर्माण बोर्ड के सदस्य के रूप में पुनः नियुक्त करती है ।

[सं० 7/17/96-बी०ओ० I(ii)]
सुधीर श्रीवास्तव, उप सचिव

New Delhi, the 28th April, 1997

S.O. 1220.—In pursuance of the powers conferred by sub-section (2) of section 4 read with sub-section (2) of section 6 of the Sick Industrial Companies (Special Provisions) Act, 1985, the Central Government hereby reappoints Shri S. L. Kapur, as a Member of the Board for Industrial and Financial Reconstruction from 1st April, 1997 and upto 30th September, 1997.

[F. No. 7/17/96-B.O. I(ii)]
SUDHIR SHRIVASTAVA, Dy. Secy.

नई दिल्ली, 28 अप्रैल, 1997

का०आ० 1221.—राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक अधिनियम, 1981 की धारा 7 के साथ पठित धारा 6 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक के परामर्श से, एतद्द्वारा, भारतीय स्टेट बैंक के अध्यक्ष, श्री एम०एस० वर्मा को 28 अप्रैल, 1997 से और 30 नवम्बर, 1998 तक के लिए राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक के निदेशक के रूप में नियुक्त करती है ।

[फा०सं० 7/7/95-बी०ओ०-I]
सुधीर श्रीवास्तव, उप सचिव

New Delhi, the 28th April, 1997

S.O. 1221.—In pursuance of clause (c) of sub-section (1) of section 6, read with section 7, of the National Bank for Agriculture and Rural Development Act, 1981 the Central Government hereby appoints Shri M. S. Verma, Chairman, State Bank of India, to be a Director of the National Bank for Agriculture and Rural Development with effect from 28th April, 1997 and upto 30th November, 1998.

[F. No. 7/7/95-B.O. I]
SUDHIR SHRIVASTAVA, Dy. Secy.

नई दिल्ली, 28 अप्रैल, 1997

का०आ० 1222.—रुग्ण औद्योगिक कंपनी (विशेष उपबंध) अधिनियम, 1985 की धारा 6 की उपधारा (5) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, एतद्द्वारा, औद्योगिक एवं वित्तीय पुनर्निर्माण बोर्ड के सदस्य श्री एम०एम०एस० श्रीवास्तव को, 1 अप्रैल, 1997 से 30 सितम्बर, 1997 तक की और अवधि के लिए औद्योगिक एवं वित्तीय पुनर्निर्माण बोर्ड के अध्यक्ष के रूप में कार्य करने के लिए प्राधिकृत करती है ।

[फ० सं० 7/17/96-बी०ओ०-I(i)]
सुधीर श्रीवास्तव, उप सचिव

New Delhi, the 28th April, 1997

S.O. 1222.—In pursuance of the powers conferred by sub-section (5) of section 6 of the Sick Industrial Companies (Special Provisions) Act, 1985, the Central Government hereby authorises Shri M. M. S. Srivastava, Member, Board for Industrial and Financial Reconstruction, to act as Chairman of the Board for Industrial and Financial Reconstruction for the further period from 1st April, 1997 and upto 30th September, 1997.

[F. No. 7/17/96-B.O. I(i)]
SUDHIR SHRIVASTAVA, Dy. Secy.

विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली, 7 मार्च, 1997

का.आ. 1223.—राजनयिक कौंसली अधिकारी (शपथ एवम् शुल्क) अधिनियम, 1948 (1948 का 41वां) की धारा 2 के अंक (क) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा भारत का प्रधान कौंसलावास शिकागो में सहायक श्री वी.पी. शर्मा को 12 मार्च से सहायक कौंसली अधिकारी का कार्य करने के लिए प्राधिकृत करती है ।

[टो.-4330/2/96]

वी. महालिंगम, अवर सचिव (पी.वी.एस.)

MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS

New Delhi, the 7th March, 1997

S.O. 1223.—In pursuance of Clause (a) of Section 2 of the Diplomatic and Consular Officers (Oaths and Fees) Act, 1948 (41 of 1948), the Central Government hereby authorises Shri V. P. Sharma, Asstt. in the Embassy/High Commission/Consulate General of India, Chicago to perform the duties of Asstt. Consular Officer with effect from 12th March, 1997.

[T-4330/2/96]

V. MAHALINGAM, Under Secy. (Cons.)

वाणिज्य मंत्रालय

नई दिल्ली, 23 अप्रैल, 1997

का. आ. 1224.—निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट खनिज तथा अयस्क ग्रुप-I तथा ग्रुप-II) का निर्यात से पूर्व निरीक्षण लिए करने के मैसर्स मित्रा एस. के. प्राइवेट लिमिटेड, विद्यानगर पो.आ. कुलाई होसाबेट्टू-मैंगलूर-574196 को और आगे 29-1-1997 से प्रभावी तीन वर्ष की अवधि के लिए निम्न शर्तों के अधीन एतद्द्वारा अभिकरण के रूप में मान्यता देती है, अर्थात् :—

(i) मैसर्स मित्रा एस. के. प्रा. लि. निर्यात निरीक्षण परिषद् द्वारा इस संबंध में नामित अधिकारी को अपने द्वारा अपनाई जाने वाली निरीक्षण पद्धति की जांच करने के लिए पर्याप्त सुविधाएं देगा ताकि खनिज तथा अयस्क (ग्रुप-I तथा ग्रुप-II) के निर्यात (निरीक्षण) नियम, 1965 के नियम 4 के अन्तर्गत प्रमाणपत्र दिया जा सके ।

(2) मैसर्स मित्रा एस. के. प्रा. लि. अपने कृत्यों के पालन में ऐसे आदेशों से आबद्ध होगा जो निदेशक (निरीक्षण एवं क्वालिटी नियंत्रण) समय-समय पर लिखित रूप में देंगे ।

अनुसूची

I. खनिज तथा अयस्क (ग्रुप-I) :

1. कच्चा मैंगनीज, मैंगनीज डायक्साइड रहित ।
2. कच्चा लोहा
3. बोक्साईट, केलसीड बोक्साइट रहित ।

II. खनिज तथा अयस्क (ग्रुप-II) :

1. मैंगनीज डायक्साइड
2. क्रोम कच्चा, क्रोम संकेन्द्रित सहित ।
3. कायनाइट
4. सिल्लीमेनाइट
5. मैंगनेसाइट निस्तप्त तथा कैलशींड सहित् ।

[फाईल सं. 5/7/97-ई.आई एण्ड ई०पी]०

कुमारी सुमा सुब्बण्णा, निदेशक

MINISTRY OF COMMERCE

New Delhi, the 23rd April, 1997

S.O. 1224.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government hereby recognises for a further period of three years w.e.f. 29-1-1997, M/s. Mitra S. K. Private Ltd., Vidyanagar, P.O. Kulai, Hosabettu, Mangalore-574196, as an agency for the inspection of minerals and Ores (Group-I and Group-II) specified in the schedule annexed hereto prior to export subject to the following conditions, namely :—

(i) that M/s. Mitra S. K. Pvt. Ltd., shall give adequate facilities to the officers nominated by the Export Inspection Council in this behalf to examine the method of inspection followed by them in granting the certificate of inspection under rule 4 of Export of Minerals and Ores (Group I and II) (Inspection) Rules, 1965 ;

(ii) that M/s. Mitra S. K. Pvt. Ltd., in the performance of their function under this notification shall be bound by such directives as the Director (Inspection and Quality Control) may give in writing from time to time.

SCHEDULE

I. Minerals and Ores (Group-I)

1. Manganese Ore, excluding manganese dioxide.
2. Iron Ore.
3. Bauxite, including calcined bauxite.

II. Minerals and Ores (Group-II)

1. Manganese Dioxide.
2. Chrome Ore, including Chrome concentrates.
3. Kyanite.
4. Sillimanite.
5. Magnesite, including dead-burnt and calcined Magnesite.

[File No. 5/7/97-EI&EP]

KUM. SUMA SUBBANNA, Director

नागरिक पूर्ति, उपभोक्ता मामले और सार्वजनिक

वितरण मंत्रालय

नई दिल्ली, 7 अप्रैल, 1997

का.आ. 1225—केन्द्रीय सरकार बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) की धारा 36 की उपधारा (7) और (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए; यह घोषणा करती है कि भारत सरकार के नागरिक पूर्ति, उपभोक्ता मामले और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय की अधिसूचना संख्यांक का.आ. 2473 तारीख 29 अक्तूबर, 1993 द्वारा प्रकाशित अनुमोदन के प्रमाणपत्र के अन्तर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से, जिससे अनुमोदित माडल का विनिर्माण किया गया है समरूप मैक, यथार्थता और कार्यकरण वाला निम्नलिखित तोलन उपकरण भी है, और उस प्रयोजन के लिए उक्त अधिसूचना में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात्

उक्त अधिसूचना में पैरा 3 के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :—

"आगे, केन्द्रीय सरकार, उक्त धारा की उपधारा (7) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषणा करती है कि माडल के अनुमोदन के इस प्रमाण पत्र के अन्तर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत के अनुसार और उसी सामग्री से, जिससे अनुमोदित माडल का विनिर्माण किया गया है विनिर्मित 300 ग्राम, 600 ग्राम, 3 किलोग्राम और 6 किलोग्राम की अधिकतम क्षमता वाले डी एस-421 सिरीज के दुगने संप्रदर्श वाले 600 ग्राम, 3 किलोग्राम, 6 किलोग्राम और 15 किलोग्राम की क्षमता वाले तोलन उपकरण भी हैं।"

[फा. सं. डब्ल्यू. एम 21(50)/95]

राजीव श्रीवास्तव, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF CIVIL SUPPLIES, CONSUMER AFFAIRS AND PUBLIC DISTRIBUTION

(Department of Civil Supplies)

New Delhi, the 7th April, 1997

S.O. 1225.—In exercise of the powers conferred by sub-section (7) and (12) of section 36 of the Standards of Weights and Measures Act 1976 (60 of 1976), the Central Government hereby declares that the certificate of approval published vide the notification of the Government of India in the Ministry of Civil Supplies, Consumer Affairs and Public Distribution number S.O. 2473 dated the 29th October, 1993, shall also cover the following weighing instrument of similar make, accuracy and performance manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which the approved Model has been manufactured and for that purpose makes the following amendment in the said notification, namely :—

In the said notification, in paragraph 3, after the words and figure "and 6 kilogram", the following shall be inserted, namely :—

"of DS-421 series with double display with maximum capacity of 600 gram, 3 kilogram, 6 kilogram and 15 kilogram."

[File No. WM 21(50)/95]

RAJIV SRIVASTAVA, Jt. Secy.

नई दिल्ली, 11 अप्रैल, 1997

का.आ. 1226.—केन्द्रीय सरकार का विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत की गई रिपोर्ट (नीचे आकृति देखिए) पर विचार करने के पश्चात्, समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित माडल बाट और माप मानक अधिनियम 1976 (1976 का 60) और बाट और माप मानक (माडल का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा देता रहेगा ;

अतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (7) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मध्यम यथार्थता वर्ग III की ई एस एम डब्ल्यू सिरीज टाइप के "ईगल" ब्रांड नाम वाले स्वतः सूचक गैर-स्वचालित यांत्रिक तुला चौकी को अंकीय संप्रदर्श वाले यंत्रों में रूपांतरण करने के लिए इलेक्ट्रोनिक रूपांतरण किट के माडल का (जिसे इसमें इसके पश्चात् माडल कहा गया है) जिसका विनिर्माण मैसर्स ईगल स्केल मैनुफेक्चरिंग वर्क्स, शेड सं. सी-1/बी-3, प्लाट 155/156, जी आई डी सी एस्टेट, नरोदा, अहमदाबाद-382330 द्वारा किया गया है और जिसे अनुमोदन चिह्न आई.एन.डी./09/96/69 समनुदिष्ट किया गया है अनुमोदन प्रमाणपत्र प्रकाशित करती है।

माडल (आकृति देखिए) एक मध्यम (यथार्थता वर्ग III) का तोलन उपकरण है जिसकी अधिकतम क्षमता 3000 किलोग्राम और न्यूनतम क्षमता 20 किलोग्राम है। सत्यापन मापमान अन्तर (ई) 1 किलोग्राम है। इसमें एक टेयर युक्ति है जिसका व्यकलनात्मक प्रतिधारण प्रभाव 100 प्रतिशत है। भारग्राही वर्गाकार सैक्शन का है जिसका आकार 1500X1500 मिलीमीटर है। प्रकाश उत्सर्जन डायोड संप्रदर्श तोल परिणाम उपदर्शित करता है। यह उपकरण 230 वोल्ट, 50 हर्टज के प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर प्रचालित होता है।

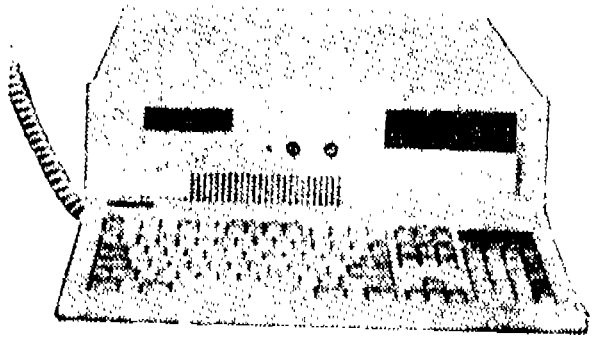

आकृति

आगे, केन्द्रीय सरकार उक्त धारा की उपधारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषणा करती है कि माडल के अनुमोदन के इस प्रमाण पत्र के

अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से, जिससे अनुमोदित माडल का विनिर्माण किया गया है विनिर्मित 5 टन/1 किलोग्राम, 2 किलोग्राम, 10 टन/5 किलोग्राम, 15 टन/5 किलोग्राम, 20 टन/5 किलोग्राम, 25 टन/5 किलोग्राम, 30 टन/5 किलोग्राम, 40 टन/10 किलोग्राम, 50 टन/10 किलोग्राम, 60 टन/20 किलोग्राम और 100 टन/20 किलोग्राम की अधिकतम क्षमता वाले समरूप मेक, यथार्थता और उसी सिरीज के कार्यकरण वाले तोलन उपकरण भी है।

[फा. सं. डब्ल्यू. एम 21(58)/95]
राजीव श्रीवास्तव, संयुक्त सचिव

New Delhi, the 11th April, 1997

S.O. 1226.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provernment hereby publishes the centificate of approval of (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said Model is likely to maintain accuracy over periods of sustained use and to order accurate service under varied conditions ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (7) of section 36 of the said Act, the Central Government hereby publishes the certificate of approval of the Model of the self-indicating non-automatic electronic conversion kit for converting mechanical weigh-bridges into machines with digital display of type ESMW series of class III (Medium) accuracy with brand name "EAGLE" (hereinafter referred to as the Model) manufactured by M/s. Eagle Scale Mfg. Works, Shed No. C-1/B-3, Plot 155/156, GIDC Estate, Naroda, Ahmedabad-382330, and which is assigned the approval mark IND/09/96/69;

The Model (see figure) is a medium accuracy (accuracy class III) weighing instrument with a maximum capacity of 3000 kg and minimum capacity of 20 kg. The verification scale interval (e) is 1 kilogram. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The load receptor is of square section of size 1500×1500 millimetre. The Light Emiting Diodes display indicates the weighing result. The instrument operates on 230 volts, 50 Hertz alternate current power supply;

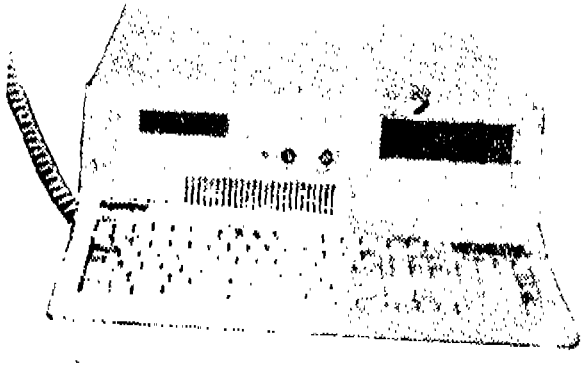

(figure)

Further, in exercise of the powers conferred by sub-section (12) of the said section, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the Model shall also cover the weighing instrument of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity of 5t/1kg, 2kg, 10t/5kg, 15t/5kg, 20t|5kg, 25t|kg, 30t|5kg, 40t|10kg, 50t|10kg, 60t|20kg and 100t|20kg manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the approved Model has been manufactured.

[File No. WM 21(58)/95]
RAJIV SRIVASTAVA, Jt. Secy.

नई दिल्ली, 15 अप्रैल, 1997

का.आ. 1227.—केन्द्रीय सरकार का विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत की गई रिपोर्ट (नीचे आकृति देखिए) पर विचार करने के पश्चात, समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित माडल बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) और बाट और माप मानक (माडल का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि वह लगातार प्रयोग की अवधि में यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा देता रहेगा;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (7) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मध्यम यथार्थता वर्ग III की एफ०एम० सिरीज टाइप के "लिब्रा-मन" ब्रांड नाम वाले स्वतःसूचक गैर-स्वचालित प्लेटफार्म तोलन उपकरण के माडल का (जिसे इसमें इसके पश्चात माडल कहा गया है) जिसका विनिर्माण मैसर्स लिब्रा इंडस्ट्रीज, 5वां तल, जीवन सहकार सर पी ए एम रोड, मुम्बई—400001 द्वारा किया गया है और जिसे अनुमोदन चिह्न आई.एन.डी./09/96/44 समनुदिष्ट किया गया है, अनुमोदन प्रमाणपत्र प्रकाशित करती है।

माडल (आकृति देखिए) एक मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग III) का तोलन उपकरण है जिसकी अधिकतम क्षमता 100 किलोग्राम और न्यूनतम क्षमता 400 ग्राम है। सत्यापन मापमान अन्तर (ई) 20 ग्राम है। इसमें एक टेयर युक्ति है जिसका व्यकलनात्मक प्रतिधारण टेयर प्रभाव 100 प्रतिशत है। भारग्राही वर्गाकार एकशन का है जिसका आकार 600—600 मिलीमीटर है। 5 मि. मीटर आकार का प्रकाश उत्सर्जन डायोड संप्रदर्श तोल परिणाम उपदर्शित करता है। यह उपकरण 230 वोर्ट 50 हर्टज के प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर प्रचालित होता है।

(आकृति)

और, केन्द्रीय सरकार उक्त धारा की उपधारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषणा करती है कि मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाणपत्र के अन्तर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धान्त डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से, जिससे अनुमोदित मॉडल का विनिर्माण किया गया है विनिर्मित 50 किलोग्राम/5 या 10 ग्राम, 60 किलोग्राम/10 ग्राम, 80 किलोग्राम/10 या 20 ग्राम, 100 किलोग्राम/10 ग्राम, 120 किलोग्राम/20 ग्राम, 150 किलोग्राम/20 ग्राम, 200 किलोग्राम/20 50, ग्राम, या 100 ग्राम, 300 किलोग्राम, 50 ग्राम, 400 किलोग्राम, 50 या 100 ग्राम, 500 किलोग्राम 100 ग्राम, 600 किलोग्राम। 100 ग्राम, की अधिकतम क्षमता वाले के एक एम सिरीज के 1000 किलोग्राम/100 या 200 ग्राम, 2000 किलोग्राम/200 ग्राम, 300 किलोग्राम/500 ग्राम या 1 किलोग्राम 4000 किलोग्राम/500 ग्राम या 1 किलोग्राम, 5000 किलोग्राम/500 ग्राम या 1 किलोग्राम और 6000 किलोग्राम/1 किलोग्राम की अधिकतम क्षमता वाले समरूप मेक, यथार्थता और उसी सिरीज के कार्यकरण वाले तोलन उपकरण भी है।

[फा. सं. डब्ल्यू.एम. 21(63)/94]

राजीव श्रीवास्तव, संयुक्त सचिव

New Delhi, the 15th April, 1997

S.O. 1227.—Whereas, the Central Government after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said model is likely to maintain accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (7) of section 36 of the said Act, the Central Government hereby publishes the certificate of approval of the Model of the self-indicating, non-automatic, platform weighing instrument of type FM series of class III Medium accuracy with brand name "LIBRA" (hereinafter referred to as the Model), manufactured by M/s. Libra Industries, 5th floor, Jeevan Sahakar, Sir P. M. Road, Mumbai-400 001, and which is assigned the approval mark IND/09/96/44 ;

The model is a medium accuracy (accuracy class III) weighing instrument with a maximum capacity of 100 kg. and minimum capacity of 400 g. The verification scale interval (e) is 20 gram. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained fare effect. The load receptor is of square section of size 600 × 600 millimetre. The 5 millimetre character LED display indicates the weighing result. The instrument operates on 230 volts, 50 Hertz alternate current power supply ;

(figure)

Further, in exercise of the powers conferred by sub-section (12) of the said section, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the Model shall also cover the weighing instrument of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity of 50 kg./5 or 10 g., 60 kg./10 g., 80 kg./10 or 20 g. 100 kg./10 g., 120 kg./20 g., 150 kg./20 g., 200 kg./20, 50g or 100 g., 300 kg./50 g., 400 kg./50 or 100 g., 500 kg./100 g., 600 kg./100 g., of KFM series with maximum capacity of 1000kg,/100 or 200g, 2000 kg/200g, 3000 kg/500 g, or 1 kg 400 kg/500 g., or 1 kg., 5000 kg./500 g. or 1 kg., and 6000 kg/1 kg manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which the approved Model has been manufactured.

[File No. WM-21/(63)/95]

RAJIV SRIVASTAVA, Jt. Secy.

नई दिल्ली, 15 अप्रैल, 1997

का.आ. 1228.—केन्द्रीय सरकार के विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत की गई रिपोर्ट (नीचे आकृति देखिए) पर विचार करने के पश्चात्, समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) और बाट और माप मानक (मॉडल का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि वह लगातार प्रयोग की अवधि में यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा देता रहेगा;

अतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (7) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मध्यम यथार्थता वर्ग III की एम सिरीज टाइप के "लिब्रा" ब्रांड नाम वाले स्वतःसूचक, गैर-स्वचालित टेबल टाप तोलन उपकरण के माडल का (जिसे इसमें इसके पश्चात् माडल कहा गया है) जिसका विनिर्माण मैसर्स लिब्रा इंडस्ट्रीज, 5वां तल, जीवन सहकार, सर पी एम रोड, मुम्बई-400001 द्वारा किया गया है और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/96/45 समनुदिष्ट किया गया है, अनुमोदन प्रमाणपत्र प्रकाशित करती है।

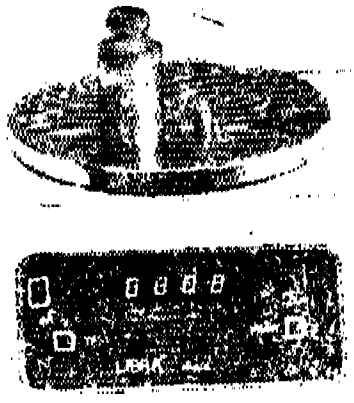

(आकृति)

माडल (आकृति देखिए) एक मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग III) का तोलन उपकरण है जिसकी अधिकतम क्षमता 10 किलोग्राम और न्यूनतम क्षमता 40 ग्राम है। सत्यापन माप मान अन्तर (ई) 2 ग्राम है। इसमें एक टेयर युक्ति है जिसका व्यकलनात्मक प्रतिधारण प्रभाव 100 प्रतिशत है। भारग्राही वृत्ताकार सैक्शन का है जिसका व्यास 250 मिलिमीटर है। 5 मिलिमीटर आकार का प्रकाश उत्सर्जन डायोड संप्रदर्श तोल परिणाम उपदर्शित करता है। यह उपकरण 230 वोल्ट, 50 हर्ट्ज के प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर प्रचालित होता है।

और, केन्द्रीय सरकार उक्त धारा की उपधारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषणा करती है कि माडल के अनुमोदन के इस प्रमाण पत्र के अन्तर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धान्त डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से, जिससे अनुमोदित माडल का विनिर्माण किया गया है विनिर्मित 400 ग्राम 0.1 ग्राम, 500 किलोग्राम/0.1 ग्राम, 1 किलोग्राम/0.1-0.2 ग्राम, 2 किलोग्राम/0.2-0.5 ग्राम, 3 किलोग्राम/0.5 ग्राम, 4 किलोग्राम/0.5-1 ग्राम, 5 किलोग्राम/0.5-1 ग्राम, 6 किलोग्राम/1 ग्राम, 8 किलोग्राम/1-2 ग्राम, 10 किलोग्राम/1-2 ग्राम, 12 किलोग्राम/2 ग्राम/2 15 किलोग्राम/2-5 ग्राम और 20 किलोग्राम/2-5 ग्रा०, 25 कि०ग्रा०/5ग्रा०/30 कि०ग्रा०/5 ग्राम, 40 कि० ग्रा०/5-10 ग्राम और 50किलोग्राम/5-10 ग्राम की अधिकतम क्षमता वाले समरूप मेक यथार्थता और उसी सिरीज के कार्यकरण वाले तोलन उपकरण भी हैं।

[फा. सं. डब्ल्यू.एम 21(63)/90]

राजीव श्रीवास्तव, संयुक्त सचिव.

New Delhi, the 15th April, 1997

S.O. 1228.—Whereas, the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weighs and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said model is likely to maintain accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (7) of section 36 of the said Act, the Central Government hereby publishes the certificate of approval of the Model; of the self-indicating non-automatic, table top weighing instrument or type M series of class III Medium accuracy with brand name "LIBRA" (hereinafter referred to as the Model), manufactured by M/s. Libra Industries, 5th floor, Jeevan Sahakar, Sir P. M. Road, Mumbai-400 001, and which is assigned the approval mark IND/09/96/45 ;

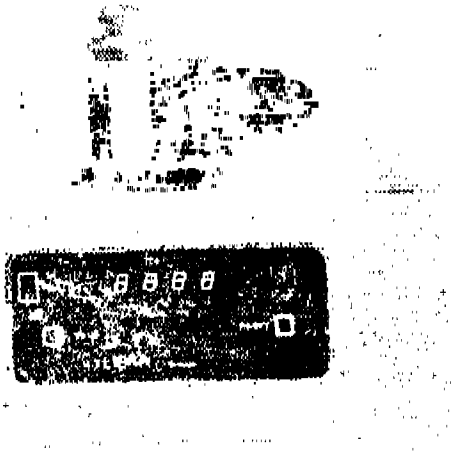

The model is a medium accuracy (accuracy class III) weighing instrument with a maximum capacity of 10 kg and minimum capacity of 40 g. The verification scale interval (e) is 2 gram. It has a tare device with a 100 per cent susbitactive retained fare effect. The load receptor is of circular section of diametre 250 millimetre. The 5 millimetre character LED display indicates the weighing result. The instrumem operates on 230 volts, 50 Hertz alternate current power supply.

(Figure)

Further, in exercise of the powers conferred by sub-section (12) of the said section, the Central

Government hereby declares that this certificate of approval of the Model shall also cover the weighing instrument of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity of 400 g. 0.1 g., 500 g./0.1 g., 1 kg./0.1 × 0.2g., 2 kg./ 0.2-0.5g, 3 kg./0.5 g. 4 kg./0.5-1 g., 5 kg. 0.5-1 g., 6 kg/1 g. 8 kg/1-2g, 10 kg/1-2g, 12 kg/2 g, 15 kg/2-5 g, 20 kg/2-5 g, 25 kg/5g, 30 kg/5g, 40 kg/5-10g and 50 kg/5-10g manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the approved Model has been manufactured.

[File No. WM 21 (63)/94]

RAJIV SRIVASTAVA, Jt. Secy.

नई दिल्ली, 15 अप्रैल, 1997

का. आ. 1229.—केन्द्रीय सरकार का विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत की गई रिपोर्ट (नीचे आकृति देखिए) पर विचार करने के पश्चात् समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित माडल बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) और बाट और माप मानक (माडल का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि वह लगातार प्रयोग की अवधि में यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा देता रहेगा ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 उपधारा (7) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मध्यम यथार्थता वर्ग III की पी. डब्ल्यू सिरीज टाइप के "प्रेसीसन" ब्रांड नाम वाले स्वतःसूचक गैर-स्वाचालित इलैक्ट्रोनिक प्लेटफार्म तोलन उपकरण के माडल का (जिसे इसमें इसके पश्चात् माडल कहा गया है) जिसका विनिर्माण मैसर्स प्रेसिशन इन्सट्रूमेंट्स इंडस्ट्रीज प्लॉट-13, मुदंग अपार्टमेन्ट की एच वासना बस स्टाप, वासना, अहमदाबाद-380007 द्वारा किया गया है और जिसे अनुमोदन चिह्न आई०एन० डी०/09/96/63 समनुदिष्ट किया गया है, अनुमोदन प्रमाणपत्र प्रकाशित करती है।

माडल (आकृति देखिए) एक मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग III) का तोलन उपकरण है जिसकी अधिकतम क्षमता 60 किलोग्राम और न्यूनतम क्षमता 200 ग्राम है। सत्यापन मापमान अन्तर (ई) 10 ग्राम है। इसमें एक टेयर युक्ति है जिसका व्यावकलनात्मक प्रतिधारण टेयर प्रभाव 100 प्रतिशत है। भारग्राही वर्गाकार संकल्प का है जिसका आकार 400 × 450 मिलीमीटर है। प्रकाश उत्सर्जन डायोड संप्रदर्श तोल परिणाम उपदर्शित करता है। यह प्रकरण 230 वोल्ट 50 हर्ट्ज की प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर प्रचालित होता है।

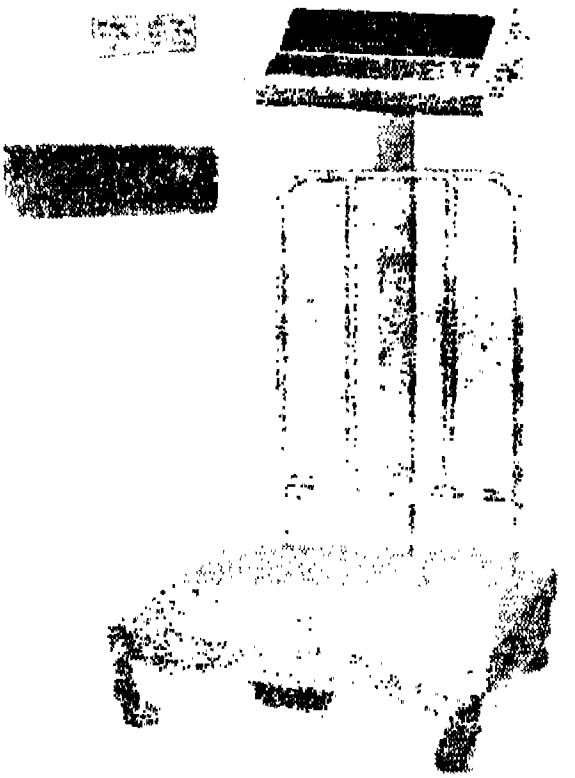

(आकृति)

और केन्द्रीय सरकार उक्त धारा की उपधारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि माडल अनुमोदन के इस प्रमाणपत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धान्त डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से, जिससे अनुमोदन माडल का विनिर्माण किया गया है विनिर्मित 30 किलोग्राम/5 ग्राम, 60 किलोग्राम/10 ग्राम, 120 किलोग्राम/10 ग्राम, 20 ग्राम, 120 किलोग्राम/20 ग्राम, 150 किलोग्राम/20 ग्राम, 200 किलोग्राम/20 ग्राम, 300 किलोग्राम/50 ग्राम, 500 किलोग्राम,/100 ग्राम, 1000 किलोग्राम/200 ग्राम, और 2000 किलोग्राम/1000 ग्राम, की अधिकतम क्षमता वाले समरूप मेक यथार्थता और उसी सिरीज के कार्यकरण वाले तोलन उपकरण भी है।

[फा. सं. डब्ल्यू. 2 एम 21(8)/96)]

राजीव श्रीवास्तव, संयुक्त सचिव

New Delhi, the 15th April, 1997

S.O. 1229.—Whereas, the Central Government, after considering the report submitted to it by the

prescribed authority, is satisfied that the model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said model is likely to maintain accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (7) of section 36 of the said Act, the Central Government hereby publishes the certificate of approval of the Model of the self-indicating non-automatic electronic platform weighing instrument of type PW series of class III (Medium) accuracy with brand name "PRECISION" (hereinafter referred to as the Model) manufactured by M/s. Precision Instrument Industries, B-13, Mrudang Appartments, B/H. Vasna Bus Stop, Vasna, Ahmedabad-380 007, and which is assigned the approval mark IND/09/96/95.

The model (see figure) is a medium accuracy (accuracy class III) weighing instrument with a maximum capacity of 60 kg. and minimum capacity of 200 g. The verification scale interval (e) is 10 gram. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The load receptor is of rectangular section of size 400×450 millimetres. The Light Emitting Diodes display indicates the weighing result. The instrument operates on 230 volts, 50 Hertz alternate current power supply ;

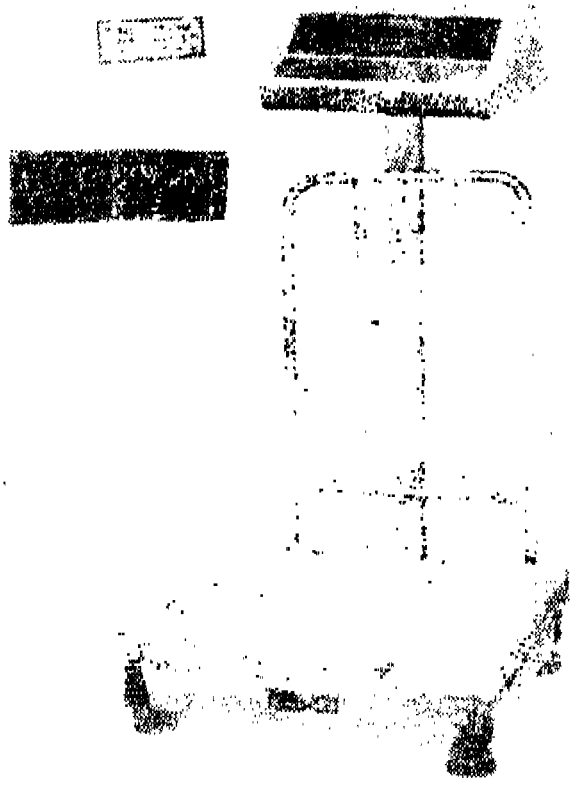

(figure)

Further, in exercise of the powers conferred by sub-section (12) of the said section, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the Model shall also cover the weighing instrument of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity of 30 kg/5g, 60 kg/10g, 120 kg/10g, 20g, 150 kg/20g, 200 kg/20g, 300 kg/50 g, 500 kg/100g, 1000 kg/200g and 2000 kg/1000 g, manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which the approved Model has been manufactured.

[File No. WM-21/(8)/96]
RAJIV SRIVASTAVA, Jt. Secy.

नई दिल्ली, 15 अप्रैल, 1997

का.आ. 1230.—केन्द्रीय सरकार का विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत की गई रिपोर्ट (नीचे आकृति देखिए) पर विचार करने के पश्चात समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित माडल बाट और माप मानक अधिनियम 1976 (1976 का 60) और बाट और माप मानक (माडल का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबन्धों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि वह लगातार प्रयोग की अवधि में यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा देता रहेगा;

अतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (7) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उच्च यथार्थता वर्ग II की पी जे सिरीज टाइप के "प्रेसीसन" ब्रांड नाम वाले स्वतः सूचक गैर-स्वचालित इलेक्ट्रोनिक टेबल टाप तोलन उपकरण के माडल का (जिसे इसमें इसके पश्चात् माडल कहा गया है) जिसका विनिर्माण मैसर्स प्रेसिजन इन्स्ट्रूमेंट्स इंडस्ट्रीज, बी-13, मृदंग अपार्टमेंट्स, बी/एच वास्ना बस स्टाप, वास्ना, अहमदाबाद-380007 द्वारा किया गया है और जिसे अनुमोदन चिह्न आई०एन०डी/09/96/66 समनुदिष्ट किया गया है, अनुमोदन प्रमाणपत्र प्रकाशित करती है।

माडल (आकृति देखिए) एक उच्च यथार्थता (यथार्थता वर्ग II) का तोलन उपकरण है जिसकी अधिकतम क्षमता 11 किलोग्राम और न्यूनतम क्षमता 50 ग्राम है। सत्यापन मापमान अन्तर (ई) 10 ग्राम है। इसमें एक टेयर युक्ति है जिसका व्यकलनात्मक प्रतिधारण प्रभाव 100 प्रतिशत है। भारग्राही आयताकार सैक्शन का है जिसका व्यास 225 × 300 मिलीमीटर है। प्रकाश उत्सर्जन डायोड संप्रदर्श तोल परिणाम उपदर्शित करता है। यह उप-

करण 230 वोट 50 हर्टज के प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर प्रचालित होता है ।

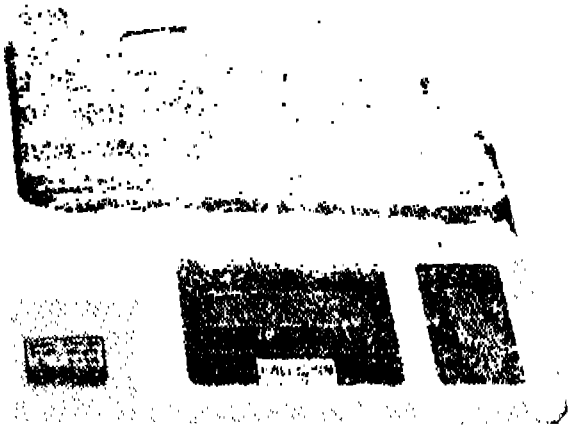

(आकृति)

आगे केन्द्रीय, सरकार उक्त धारा की उपधारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषणा करती है कि माडल के अनुमोदन के इस प्रमाण पत्र के अन्तर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धान्त डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से, जिससे अनुमोदित माडल का विनिर्माण किया गया है, विनिर्मित 50 ग्राम/5 मिलीग्राम, 100 ग्राम/10 मिलीग्राम, 200 ग्राम,/20 मिलीग्राम, 300 ग्राम/10 मिलीग्राम, 500 ग्राम/20 मिलीग्राम, 50 मिलीग्राम, 1 किलोग्राम/50 मिलीग्राम, 100 मिलीग्राम, 2 किलोग्राम/200 मिलीग्राम, 5 किलोग्राम/500 मिलीग्राम, 15 किलोग्राम/1 ग्राम, 2 ग्राम, 20 किलोग्राम/ 2 ग्राम, और 30 किलोग्राम/ 1 ग्राम, 2 ग्राम की अधिकतम क्षमता वाले समरूप मेक, यथार्थता और उसी सिरीज के कार्यकरण वाले तोलन उपकरण भी है।

[फा.सं. डब्ल्यू एम 21(8)/96]

राजीव श्रीवास्तव, संयुक्त सचिव,

New Delhi, the 15th April, 1997

S.O. 1230.—Whereas, the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said model is likely to maintain accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (7) of section 36 of the said Act, the Central Government hereby publishes the certificate of approval of the Model of the self-indicating non-automatic/electronic table top weighing instrument of type PJ series of class II (high) accuracy with brand name "PRECISION" (hereinafter referred to as the Model) manufactured by M/s. Presision Instrument Industries, B-13, Mrudang Appartments, B/H, Vasna Bus Stop, Vasna, Ahmedabad-380 007, and which is assigned the approval mark IND/09/96/66 ;

The model (see figure) is a high accuracy (accuracy class II) weighing instrument with a maximum capacity of 11 kg. and minimum capacity of 50g. The verification scale interval (e) is 10 g. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The load receptor is of rectangular section of size 2253×00 millimetres. The Light Emitting Diodes display indicates the weighing result. The instrument operates on 230 volts, 50 Hertz alternate current power supply ;

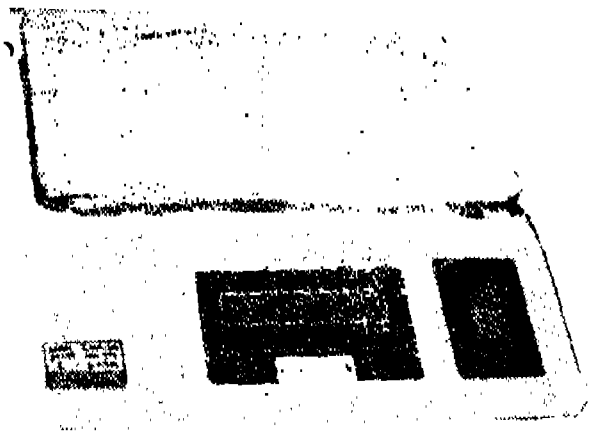

(figure)

Further, in exercise of the powers conferred by sub-section (12) of the said section, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the Model shall also cover the weighing instrument of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity of 50g/5 mg, 100g/10 mg, 200g/20 mg, 300g/10 mg, 500g/20 mg, 50 mg. 1 kg/50 mg, 100 mg, 2 kg/200 mg, 5 kg/500 mg, 15 kg/1g, 2g, 20 kg/2g and 30 kg 1g, 2g. manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the approved Model has been manufactured.

[File No. WM 21 (8)/96]

RAJIV SRIVASTAVA, Jt. Secy.

मानव संसाधन विकास मंत्रालय

(संस्कृति विभाग)

नई दिल्ली, 17 अप्रैल, 1997

का.आ. 1231.—केन्द्रीय सरकार, राजभाषा (संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग) नियम, 1976 के नियम 10 के उपनियम 4 के अनुसरण में मानव संसाधन विकास

मंत्रालय, संस्कृति विभाग के अधीन निम्नलिखित कार्यालय को जिसके 80% से अधिक कर्मचारियों ने हिन्दी का कार्य साधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है,

अधिसूचित करती है :—

(1) वरिष्ठ संरक्षक सहायक का कार्यालय, लाल किला

(2) वरिष्ठ संरक्षक सहायक का कार्यालय, हौज खास

(3) संरक्षक सहायक का कार्यालय, कुतुब

(4) संरक्षक सहायक का कार्यालय कश्मीरी, गेट

(5) संरक्षक सहायक का कार्यालय, पुराना किला

(6) संरक्षक सहायक का कार्यालय, सफदरजंग मदरसा

(7) संरक्षक सहायक का कार्यालय, जंतर-मंतर

(8) संरक्षक सहायक का कार्यालय, हुमायूं टोंब

[सं. एफ 1-2/95-हिन्दी]

शिव नारायण सिंह, उप सचिव

MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT

(Department of Culture)

New Delhi, the 17th April, 1997

S.O.1231.—In pursuance of Sub-rule (4) of the Rule 10 of the Official Language (use for official purpose of the Union) Rules, 1976 the Central Government hereby notifies the following offices under the Ministry of Human Resource Development, Department of Culture more than 80% staff of which has acquired working knowledge of Hindi:

1. Office of the Senior Conservation Assistant — Lal Quila
2. Office of the Senior Conservation Assistant — Hauz Khas
3. Office of the Conservation Assistant — Qutab
4. Office of the Conservation Assistant — Kashmiri Gate
5. Office of the Conservation Assistant — Purana Quila
6. Office of the Conservation Assistant—Safdarjung Madrasa
7. Office of the Conservation Assistant — Jantar Mantar
8. Office of the Conservation Assistant — Himanyan Tomb

[No. F. 1-2/95-Hindi]

SHEO NARAYAN SINGH, Dy. Secy.

कोयला मंत्रालय

शुद्धि पत्र

नई दिल्ली, 1 अप्रैल, 1997

का.आ. 1232.—भारत के राजपत्र दिनांक 7 सितम्बर 1996 के भाग 2 खंड 3, उपखंड (II) में पृष्ठ संख्या 3357 से 3360 पर प्रकाशित भारत सरकार कोयला मंत्रालय की अधिसूचना का आ. संख्या 2578 दिनांक 21 अगस्त, 1996 में टिप्पण-3 में पंक्ति 1, 2-पृष्ठ "1397 से 1399" के स्थान पर पृष्ठ 1397 से 1400 पढ़ें।

पृष्ठ 3358, अनुसूची "क" में,

"ग्राम बस्करपारा में अर्जित किये जाने वाले प्लाट सं. बस्करपारा (भाग)" के स्थान पर "ग्राम बस्करपारा (भाग) में अर्जित किये जाने वाले प्लाट संख्यांक पढ़ें।

पृष्ठ 3359 "अनुसूची "ख" में ग्राम का नाम स्तंभ के नीचे

क्रम संख्या 4 "घनौली खुर्द" के स्थान पर धनौली खुर्द" पढ़ें। और जहां कहीं भी घनौली खुर्द शब्द प्रयुक्त हुआ हो उसके स्थान पर धनौली खुर्द पढ़ें।

क्रम संख्या 5 "केबरा" के स्थान पर केबरा पढ़ें। और जहां भी "केबरा" शब्द प्रयुक्त हुआ हो उसके स्थान पर "केबरा" पढ़ें।

वन भूमि में वन कम्पार्टमेंट स्तंभ के नीचे :—

क्रम संख्या 1 "घरसेंडी ब्लाक" के स्थान पर "धरसेंडी ब्लाक पढ़ें। और जहां कहीं भी धरसेंडी ब्लाक शब्द प्रयुक्त हुआ हो उसके स्थान पर धरसेंडी ब्लाक पढ़ें।

कुल योग में

"1198.09 एकड" के स्थान पर "1198.04" एकड़ पढ़ें।

पृष्ठ 3360 सीमा वर्णन में, रेखा ङ-च-चा ध 2-ध 3-छ,

पंक्ति 4 "खंडपारा-धनौली खुर्द के स्थान पर खांडापारा-धनौली खुर्द" पढ़ें।

रेखा छ-ज-ज 1 झ में,

पंक्ति 2, "ग्राम केबरा कुरीडीह" के स्थान पर "ग्राम केवरा-कुरीडीह" पढ़ें।

रेखा झ-ञ-आ-क में,

पंक्ति 1 "ग्राम कुरीडीह" के स्थान पर "ग्राम करीडीह" पढ़ें।

[फा. सं. 43015/14/95-एल एस डब्ल्यू]

श्रीमती पी. एल. सैनी, अवर सचिव

MINISTRY OF COAL

CORRIGENDA

New Delhi, the 1st April, 1997

S.O. 1232.—In the notification of the Government of India, in the Ministry of Coal, number S.O. 2578 dated the 21st August, 1996, published at pages 3360-3363 of the Gazette of India, Part-II, Section-3, Sub-Section (ii) dated the 7th September, 1996 :

1. At page 3361 (1) In Note 1, in line 1, for "No. SECL/BSP/CM(PLG)/and/166" read "No. SECL/BSP/GM(PLG)/Land/166".
   (2) In section 8 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957, as reproduced, in sub-section (3), in line 2, for "in compensat on" read "in compensation".
2. At page 3363 (1) Under the heading "plot numbers to be acquired in village Kurridih (Part)",
   (i) in line 2, for "35 (Part), 36 to 50" read "36 to 50".
   (ii) in line 2, for "91 to 101" read "91 to 102".
   (2) Under the heading "Boundary description" and under sub-heading "C-D", in line 3, for "276, 561, 563" read "276, 561".

[F. No. 43015/14/95-LSW]

MRS. P. L. SAINI, Under Secy.

पैट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

नई दिल्ली, 24 अप्रैल, 1997

का.आ. 1233.—केन्द्रीय सरकार ने, पैट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन जारी की गई भारत सरकार के पैट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का.आ. 2659, तारीख 23 अगस्त, 1996 द्वारा आन्ध्र प्रदेश राज्य में विशाखापट्टनम से विजयवाड़ा तक पैट्रोलियम का परिवहन करने के लिए, हिन्दुस्तान पैट्रोलियम कार्पोरेशन लिमिटेड द्वारा पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजनार्थ उक्त अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार के अर्जन की, अपने आशय की घोषणा की थी ;

और उक्त राजपत्र अधिसूचना की प्रतियां जनता को तारीख 7 दिसम्बर, 1996 को उपलब्ध करा दी गई थीं;

सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन, केन्द्रीय सरकार को अपनी रिपोर्ट दे दी है ;

केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन करने का निश्चय किया है ;

अतः, अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमि में पाइपलाइन बिछाने के लिए उपयोग का अधिकार अर्जित करने की घोषणा करती है ;

यह भी कि, केन्द्रीय सरकार उक्त धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निर्देश देती है कि उक्त भूमि में उपयोग का अधिकार, केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाए सभी विल्लंगमों से मुक्त होकर हिन्दुस्तान पैट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड में निहित होगा।

अनुसूची

मण्डल : ए. कोण्डुरू जिला : कृष्णा

राज्य : आन्ध्र प्रदेश

ग्राम	सर्वे नं./ सब डिवीजन		क्षेत्रफल			
			हैक्टेयर	आरे	एकड़	सैण्टे
(1)	(2)		(3)	(4)	(5)	(6)
पूर्व माधवरम	73/2	भाग	00	32.5	00	81
	85/2डी	भाग	00	01.5	00	04
	85/2ई	भाग	00	08.0	00	20
	85/2एफ	भाग	00	08.0	00	20
	85/2आई	भाग	00	03.0	00	07
	85/2जी	भाग	00	14.0	00	34
	85/3बी	भाग	00	05.5	00	13
	86/1	भाग	00	03.0	00	07
	86/2	भाग	00	06.5	00	16
	86/3	भाग	00	18.0	00	44
	86/5ए	भाग	00	04.0	00	10
	87/1	भाग	00	20.0	00	50
	87/2	भाग	00	16.0	00	39

(1)	(2)		(3)	(4)	(5)	(6)
पूर्व माधवरम (जारी)	89	भाग	00	16.5	00	41
	88/1	भाग	00	19.5	00	48
	882	भाग	00	14.0	00	35
	44/1	भाग	00	01.5	00	04
	44/3	भाग	00	01.5	00	04
	45/1 ई	भाग	00	17.5	00	43
	45/2ए	भाग	00	04.5	00	11
	45/2बी	भाग	00	04.0	00	10
	45/3ए	भाग	00	02.0	00	05
	45/3बी	भाग	00	10.5	00	26
	41/1	भाग	00	20.5	00	51
	35/3	भाग	00	15.0	00	37
	35/4	भाग	00	11.0	00	27
	35/9	भाग	00	01.0	00	02
	35/10	भाग	00	15.0	00	37
	31/2	भाग	00	03.0	00	07
	31/3	भाग	00	18.0	00	45
	31/4	भाग	00	12.0	00	30
	31/5	भाग	00	03.5	00	09
	31/6	भाग	00	05.0	00	12
	30/1	भाग	00	03.5	00	09
	29/1	भाग	00	00.5	00	01
	29/3 बी	भाग	00	20.0	00	49
पश्चिम माधवरम	196/2सी	भाग	00	01.0	00	02
	196/2डी	भाग	00	02.5	00	06
	196/2ई	भाग	00	08.5	00	21
	196/2एफ	भाग	00	21.0	00	52
	196/2जी	भाग	00	00.5	00	01
	197/2	भाग	00	11.5	00	28
	198/1	भाग	00	20.0	00	50
	198/2	भाग	00	14.5	00	36
	198/3	भाग	00	01.5	00	04
	204/4	भाग	00	11.5	00	28
	204/5	भाग	00	04.0	00	10
	205/1	भाग	00	09.5	00	23
	207/1	भाग	00	20.0	00	50
	213/2	भाग	00	14.5	00	36
	212/1	भाग	00	18.5	00	46
	218/3	भाग	00	44.5	01	10
	255/3	भाग	00	19.0	00	47
	254/1 सी	भाग	00	07.0	00	17
	254/2 सी	भाग	00	05.5	00	14
	253/1ए 1	भाग	00	01.0	00	02
	253/1 ए2	भाग	00	06.0	00	15
	253/1 सी 1	भाग	00	12.0	00	30

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
पश्चिम माधवरम (जारी)	253/1 सी 2 भाग	00	01.0	00	02
	246/2 भाग	00	25.0	00	62
	250/1 ए1 भाग	00	19.0	00	47
	250/1ए2 भाग	00	00.5	00	01
	247/2 भाग	00	02.0	00	05
	247/4ए भाग	00	08.0	00	20
	248/4बी भाग	00	09.5	00	23
	248/1 बी भाग	00	17.0	00	42
चिमालपपाडु	1040/3 भाग	00	13.5	00	33
	1044/1 सी भाग	00	12.5	00	31
	1051/1 भाग	00	08.5	00	21
	1051/2 भाग	00	07.5	00	19
	1050/2सी3 भाग	00	06.0	00	15
	1050/3बी2 भाग	00	00.5	00	01
	1050/3सी3 भाग	00	28.5	00	71
	1054/3 भाग	00	00.5	00	01
	1053/1 भाग	00	23.5	00	58
	1053/2 भाग	00	20.5	00	51
	1059/1 भाग	00	21.5	00	53
	1059/2 भाग	00	07.5	00	19
	1059/3 भाग	00	00.5	00	01
	1057/5 भाग	00	00.5	00	01
	1058/2 भाग	00	11.5	00	29
	1058/4 भाग	00	00.5	00	01

[फा.सं. : आर-31015/6/96-ओ आर II]
के.सी. कटोच, अवर सचिव

MINISTRY OF PETROLEUM AND NATURAL GAS

New Delhi, the 24th April, 1997

S.O. 1233 .—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas number S.O. 2659 dated the 23rd August, 1996 issued under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying pipelines for transport of petroleum from Visakhapatnam to Vijayawada in the State of Andhra Pradesh, by Hindustan Petroleum Corporation Limited;

And whereas, copies of the said gazette notification were made available to the public on the 7th day of December, 1996;

And whereas, the competent authority has under sub-section (1) of section 6 of the said Act submitted his report to the Central Government;

And whereas, the Central Government has after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the Schedule appended to this notification is hereby acquired for laying the pipelines.

And, further, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government, vest on this date of the publicaiion of this declaration in the Hindustan Petroleum Corporation Limited free from all encumbrances.

SCHEDULE

Mandal : A. Konduru District : Krishna

State : Andhra Pradesh

Name of Village	Survey No./Sub Division		Area			
			Hectare	Areas	Acres	Cents
(1)	(2)		(3)	(4)	(5)	(6)
East Madhavaram	73/2	Part	00	32.5	00	81
	85/2D	Part	00	01.5	00	04
	85/2E	Part	00	08.0	00	20
	85/2F	Part	00	08.0	00	20
	85/2I	Part	00	03.0	00	07
	85/2G	Part	00	14.0	00	34
	85/3B	Part	00	05.5	00	13
	86/1	Part	00	03.0	00	07
	86/2	Part	00	06.5	00	16
	86/3	Part	00	18.0	00	44
	86/5A	Part	00	04.0	00	10
	87/1	Part	00	20.0	00	50
	87/2	Part	00	16.0	00	39
	89	Part	00	16.5	00	41
	88/1	Part	00	19.5	00	48
	88/2	Part	00	14.0	00	35
	44/1	Part	00	01.5	00	04
	44/3	Part	00	01.5	00	04
	45/1E	Part	00	17.5	00	43
	45/2A	Part	00	04.5	00	11
	45/2B	qart	00	04.0	00	10
	45/3A	Part	00	02.0	00	05
	45/3B	Part	00	10.5	00	26
	41/1	Part	00	20.5	00	51
	35/3	Part	00	15.0	00	37
	35/4	Part	00	11.0	00	27
	35/9	Part	00	01.0	00	02
	35/10	Part	00	15.0	00	37
	31/2	Part	00	03.0	00	07
	31/3	Part	00	18.0	00	45
	31/4	Part	00	12.0	00	30
	31/5	Part	00	03.5	00	09
	31/6	Part	00	05.0	00	12
	30/1	Part	00	03.5	00	09
	29/1	Part	00	00.5	00	01
	29/3B	Part	00	20.0	00	49

(1)	(2)		(3)	(4)	(5)	(6)
West Madhavaram	196/2C	Part	00	01.0	00	02
	196/2D	Part	00	02.5	00	06
	196/2E	Part	00	08.5	00	21
	196/2F	Part	00	21.0	00	52
	196/2G	Part	00	00.5	00	01
	197/2	Part	00	11.5	00	29
	198/1	Part	00	20.0	00	50
	198/2	Part	00	14.5	00	36
	198/3	Part	00	01.5	00	04
	204/4	Part	00	11.5	00	28
	204/5	Part	00	04.0	00	10
	205/1	Part	00	09.5	00	23
	207/1	Part	00	20.0	00	50
	213/2	Part	00	14.5	00	36
	212/1	Part	00	18.5	00	46
	218/3	Part	00	44.5	01	10
	255/3	Part	00	19.0	00	47
	254/1C	Part	00	07.0	00	17
	254/2C	Part	00	05.5	00	14
	253/1A1	Part	00	01.0	00	02
	253/1A2	Part	00	06.0	00	15
	253/1C1	Part	00	12.0	00	30
	253/1C2	Part	00	01.0	00	02
	246/2	Part	00	25.0	00	62
	250/1A1	Part	00	19.0	00	47
	250/1A2	Part	00	00.5	00	01
	247/2	Part	00	02.0	00	05
	247/4A	Part	00	08.0	00	20
	248/4B	Part	00	09.5	00	23
	248/1B	Part	00	17.0	00	42
Cheemalapadu	1040/3	Part	00	13.5	00	33
	1044/1C	Part	00	12.5	00	31
	1051/1	Part	00	08.5	00	21
	1051/2	Part	00	07.5	00	19
	1050/2C3	Part	00	06.0	00	15
	1050/3B2	Part	00	00.5	00	01
	1050/3C3	Part	00	28.5	00	71
	1054/3	Part	00	00.5	00	01
	1053/1	Part	00	23.5	00	58
	1053/2	Part	00	20.5	00	51
	1059/1	Part	00	21.5	00	53
	1059/2	Part	00	07.5	00	19
	1059/3	Part	00	00.5	00	01
	1057/5	Part	00	00.5	00	01
	1058/2	Part	00	11.5	00	29
	1058/4	Part	00	00.5	00	01

[F. No. R-31015/6/96-OR. II]
K. C. KATOCH, Under Secy.

नई दिल्ली, 25 अप्रैल, 1997

का.आ. 1234—पैट्रोलियम और खनिज पाईपलाइन (भूमि के उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पैट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना का.आ. 3272 तारीख 31-11-97 द्वारा भारत सरकार ने उस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों का अधिकार को पाईपलाइन बिछाने के लिये अर्जित करने का आशय घोषित किया था।

अतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

तत्पश्चात् भारत सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए भारत सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाईपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है।

इस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारत सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में अधिकार भारत सरकार में निहित होने के बजाय गैस अथारिटी आफ इंडिया लिमिटेड में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

वासना ई.पी.एस. से स्टरलिंग कैमिकल्स

राज्य : गुजरात तालुका : मेहमदाबाद जिला : खेड़ा

गांव	क्र.सं. ब्लाक नं.	एरिया		
		हैक्टेयर	आरे	सेंटीआरे
माहिज	वासना ई.पी.एस.	00	07	32
	1329	00	15	78
	1320	00	08	75
	1319	00	00	04
	1318	00	05	07
	सब-माइनर	00	00	65
		00	46	61

अनुसूची

वासना ई.पी.एस. से स्टरलिंग कैमिकल्स

राज्य : गुजरात तालुका : मेहमदाबाद जिला : खेड़ा

गांव	क्र.सं. ब्लाक नं.	एरिया		
		हैक्टेयर	आरे	सेंटीआरे
वासलामाझीया	160	00	09	43
	161	00	12	74
	189	00	00	02
	157	00	14	17
	फील्ड कैनल	00	00	65
	155	00	74	69
	ओ.एन.जी.सी. रोड	00	01	70
	145	00	21	99
	कार्ट ट्रेक	00	01	30
	152	00	01	05
	151	00	11	88
	149	00	09	10
	148	00	01	43
	नाला	00	05	98
		01	63	13

सक्षम प्राधिकारी, गेल, बड़ौदा

अनुसूची

वासना ई.पी.एस. से स्टरलिंग कैमिकल्स

राज्य : गुजरात तालुका : मेहमदाबाद जिला : खेड़ा

गांव	क्र.सं. ब्लाक नं.	एरिया		
		हैक्टेयर	आरे	सेंटीआरे
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
सारसा	48	00	00	15
	39	00	23	25
	40	00	04	74
	31	00	04	64
	33	00	07	76
	32	00	20	67
	रोड	00	02	99
	नाला	00	01	17
	466पी	00	07	41
	486	00	28	13
	488	00	01	10
	487	00	10	81
	कार्टट्रेक	00	01	17
	427	00	03	44
	427/2	00	00	09
	427/1	00	04	78
	429	00	02	93
	432/2	00	02	80
	431/2	00	05	16
	431/1	00	08	84

1	2	3	4	5
	434	00	08	67
	418	00	04	35
	417	00	04	11
	416	00	05	68
	415	00	14	10
	394	00	15	69
	रोड	00	02	34
	381	00	09	97
	379	00	00	34
		02	07	28
	380	00	19	87
	माहनर	00	01	30
	366	00	10	72
	367	00	12	29
	365	00	00	20
	360/2	00	01	30
	फार्ट टैंक	00	00	39
	355/1	00	08	73
	359/2	00	11	28
		02	73	36

सक्षम प्राधिकारी, गेल, बड़ौदा

अनुसूची

वासना ई.पी.एस. से स्टरलिंग कैमिकल्स

राज्य : गुजरात तालुका : मेहमदाबाद जिला : खेड़ा

गांव	क्रम सं. ब्लाक सं.	एरिया		
		हैक्टेयर	आरे	सेंटीआरे
मीदज	1111	00	01	95
		00	01	95

[सं. एल.-14016/11/96-जी पी]

अर्धेन्दु सैन, निदेशक

New Delhi, the 25th April, 1997

S.O.1234.—Whereas the notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas S. O. 3272 dated 23-11-97 under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines Acquisition of Right of User in Land, Act 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of section 6 of the said Act, submitted report to the Government.

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the said schedule appended to this notification.

Now therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule to this appended notification hereby acquired for laying the pipeline.

And further in exercise of the power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

GAS AUTHORITY OF INDIA LTD.

BARODA

SCHEDULE

VASANA EPS TO STERLING CHEMICALS

STATE :GUJARAT TAL : MAHEMADABAD DIST. KHEDA

Village	Survey No./ Block No.	Area OF R.O.U.		
		Hectare	Are	Centiare
MAHIJ	Vasana EPS	00	07	32
	1329	00	15	78
	1320	00	08	75
	1319	00	09	04
	1318	00	05	07
	Sub-Minor	00	00	65
		00	46	61

COMPETENT AUTHORITY
(GAIL) VADODARA

GAS AUTHORITY OF INDIA LTD.

BARODA

SCHEDULE

VASANA EPS TO STERLING CHEMICALS

STATE : GUJARAT TAL : MAHEMADABAD

DIST. KHEDA

Village	Survey No./ Block No.	Area OF R.O.U.		
		Hectare	Are	Centiare
VASANA	160	00	09	43
MARGIYA	161	00	12	74
	189	00	00	02
	157	00	14	17
	Field Channel	00	00	65
	155	00	74	69
	ONGC Road	00	01	70
	145	00	21	99
	Cart Track	00	01	30
	152	00	01	05
	151	00	11	88
	149	00	09	10
	148	00	01	43
	Nalla	00	05	98
		00	66	13

COMPETENT AUTHORITY
(GAIL) VADODARA

GAS AUTHORITY OF INDIA LTD.

BARODA

SCHEDULE

VASANA EPS TO STERLING CHEMICALS

STATE : GUJARAT TAL : MAHEMADABAD

DIST. : KHEDA

VILLAGE	Survey No./ Block No.	AREA OF R.O.U.		
		Hectare	Are	Centiare
SARASA	48	—00	00	15
	39	—00	23	25
	40	—00	04	74
	31	—00	04	64
	33	—00	07	76
	32	—00	20	67
	ROAD	—00	02	99
	NALLA	—00	01	17
	466P	—00	07	41
	486	—00	28	13
	488	—00	01	10
	487	—00	10	81
	CART TRACK	—00	01	17
	428	—00	03	44
	427/2	—00	00	09
	427/1	—00	04	78
	429	—00	02	93
	432/2	—00	02	80
	431/2	—00	05	16
	431/1	—00	08	84
	434	—00	08	67
	418	—00	04	35
	417	—00	04	11
	416	—00	05	68
	415	—00	14	10
	394	—00	15	69
	ROAD	—00	02	34
	381	—00	09	97
	379	—00	00	34
	380	—00	19	87
	MINOR	—00	01	30
	366	—00	10	72
	367	—00	12	29
	365	—00	00	20
	360/2	—00	01	30
	CART TRACK	—00	00	39
	355/1	—00	08	73
	359/2	—00	11	28
		—02	73	36

GAS AUTHORITY OF INDIA LTD.

BARODA

SCHEDULE

VASANA EPS TO STERLING CHEMICALS

STATE : GUJARAT TAL : MAHEMADABAD

DIST. KHEDA

VILLAGE	Survey No./ Block No.	AREA OF R.O.U.		
		Hectare	Are	Centiare
BIDAJ	1111	—00	—01	75

[No. L-14016/11/96-G.P.]

ARDHENDU SEN, Director

शुद्धि-पत्र

नई दिल्ली, 28 अप्रैल, 1997

का.आ. 1235.—भारत का राजपत्र दिनांक 25-2-95 के पृष्ठ 604 से 606 पर प्रकाशित भारत सरकार के पैट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय की खनिज पाईपलाईन (भूमि के उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन जारी की गई अधिसूचना संख्या का.आ. 508 दिनांक 11-2-95 ग्राम मौराजो दरगाह फफूंद परगना व तहसील, औरैया, जिला इटावा की प्रकाशित सूची के स्तम्भ 5 व 6 में निम्न प्रकार पढ़ा जाये :—

राजपत्र में प्रकाशित		निम्नानुसार पढ़ा जावे	
5	6	5	6
गाटा संख्या	क्षेत्रफल (एकड़)	गाटा संख्या	क्षेत्रफल (एकड़)
569	0.07	569	0.16
588	0.04	588	0.16
589	0.21	589	—
630	0.20	630	0.25
748	0.02	748	—
838	0.05	838	0.27
842	0.05		
844	0.32	844	0.27
845	0.08	845	0.01
1104	0.03	1104	—
1105	0.55	1105	0.58
1905	0.26	1905	0.05
1907	0.06	1907	0.16
1908	0.02	1908	0.12
1909	0.09	1909	0.10
2005	0.29	2005	0.25
2011	0.17	2011	0.21
2038	0.04	2038	0.20
2042	0.15	2042	0.08
2043	0.05	2043	—
2049	0.06	2049	—
2054	0.20	2054	—
2185	0.12	2185	0.23
2186	0.14	2186	0.03
2214/877	0.03	2214/877	—

[संख्या एल-14016/17/94-जी.पी.]

अर्धेन्दु सैन, निदेशक

CORRIGENDUM

New Delhi, the 28th April, 1997

S.O.1235.—In the Gazette of India, Ministry of Petroleum and Natural Gas S.O. No. 508 dtd. 11-2-95 published on 225-- 95 at pages 610 to 611 under Sub Section (1) of Section2

of the Petroleum and Mineral Pipeline (Acquisition of Right of Users in Land) Act, 1962 (50 of 1962) in respect of Village Arazi Dargah Phaphund and Tehsil Auraiya, Distt. Etawah be read as follows:

As per Gazette		Be read as corrected below	
5	6	5	6
Survey No.	Area (Acres)	Survey No.	Area (Acres)
569	0.07	569	0.16
588	0.04	588	0.16
589	0.21	589	—
630	0.20	630	0.25
748	0.02	748	—
838	0.05	838	0.27
844	0.32	844	0.27
845	0.08	845	0.01
1104	0.03	1104	—
1105	0.55	1105	0.58
1905	0.26	1905	0.05
1907	0.06	1907	0.16
1908	0.02	1908	0.12
1909	0.09	1909	0.10
2005	0.29	2005	0.25
2011	0.17	2011	0.21
2038	0.04	2038	0.20
2042	0.15	2042	0.08
2043	0.05	2043	—
2049	0.06	2049	—
2054	0.20	2054	—
2185	0.12	2185	0.23
2186	0.14	2186	0.03
2214/877	0.03	2214/877	—

[No. L-14016/17/94-G.P.]
ARDHENDU SEN, Director

शुद्धि-पत्र

नई दिल्ली, 28 अप्रैल, 1997

का.आ. 1236.—भारत का राजपत्र दिनांक 25-2-95 के पृष्ठ 602 पर प्रकाशित भारत सरकार के पैट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय की खनिज पाईपलाईन (भूमि के उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन जारी की गई अधिसूचना संख्या का.आ. सं. 508 दिनांक 11-2-95 ग्राम अकबरपुर टांडा परगना व तहसील, औरैया जिला इटावा की प्रकाशित सूची के स्तम्भ 5 व 6 में निम्न प्रकार पढ़ा जाये :—

राजपत्र में प्रकाशित		निम्नानुसार पढ़ा जाये	
5	6	5	6
गाटा संख्या	क्षेत्रफल	गाटा संख्या	क्षेत्रफल
139	0.22	139	0.08
140	0.06	140	0.12
141	0.08	141	0.16
178	0.22	178	0.24
175	0.02	175	—

[संख्या एल-14016/17/94-जी.पी.]
अर्धेन्दु सैन, निदेशक

CORRIGENDUM

New Delhi, the 28th April, 1997

S.O. 1235.—In the Gazette of India, Ministry of Petroleum and Natural Gas S.O.No. 508 dated11-2-95 published on 25-2-95 at page 608 under sub section (1) of Section 6 of the Petroleum and Mineral Pipeline (Acquisition of Right of Users in Land) Act, 1962 (50 of 1962) in respect of village Akbarpur Tanda, Pargana and Tehsil Auraiya Distt. Etawah be read as follows:—

As per Gazette		Be read as corrected below	
5	6	5	6
Survey No.	Area	Survey No.	Area
139	0.22	139	0.08
140	0.06	140	0.12
141	0.08	141	0.16
178	0.22	178	0.24
175	0.02	175	—

[No. L-14016/17/94 G.P.]
ARDHENDU SEN, Director

शुद्धि पत्र

नई दिल्ली, 28 अप्रैल, 1997

का.आ. 1237.—भारत का राजपत्र दिनांक 25-2-95 के पृष्ठ 604 पर प्रकाशित भारत सरकार के पैट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय की खनिज पाईपलाईन (भूमि के उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन जारी की गई अधिसूचना संख्या का.आ. सं. 508 दिनांक 11-2-95 ग्राम मनेपुर फकूंद परगना एवं तहसील, औरैया जिला इटावा की प्रकाशित सूची के स्तम्भ 5 व 6 में निम्न प्रकार पढ़ा जाये:—

राजपत्र में प्रकाशित		निम्नानुसार पढ़ा जाये	
5	6	5	6
गाटा संख्या	क्षेत्रफल	गाटा संख्या	क्षेत्रफल
27	0.04	27	0.06
29	0.02	29	—

[सं. एल-14016/17/94-जी.पी.]
अर्धेन्दु सैन, निदेशक

CORRIGENDUM

New Delhi the 28th April, 1997

S.O. 1237.—in the Gazette of India, Ministry of Petroleum and Natural Gas S.O. No. 508 dated 11-2-95 published on 25-2-95 at Page No. 609 under sub section (1) of section 3 of the Petroleum and Mineral Pipeline (Acquisition of Right

of Users in land) Act, 1962 (50 of 1962) in respect of village Manepur, Phaphund, Pargana and Tehsil Auraiya Distt. Etawah be read as follows:

As per Gazette		Be read as corrected below	
5	6	5	6
Survey No.	Area	Survey No.	Area
27	0.04	27	0.06
29	0.02	29	—

[No. L-14016/17/94 G.P.]
ARDHENDU SEN, Director

शुद्धि पत्र

नई दिल्ली, 28 अप्रैल, 1997

का.आ. 1238.—भारत का राजपत्र दिनांक 25-2-95 के पृष्ठ 606 से 607 पर प्रकाशित भारत सरकार के पैट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय की खनिज पाइपलाइन (भूमि के उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन जारी की गई अधिसूचना संख्या का. आ. 508 दिनांक 11-2-95 ग्राम बदुआ, परगना व तहसील, औरैया, जिला इटावा, की प्रकाशित सूची के स्तम्भ 5 व 6 में निम्न प्रकार पढ़ा जाये:—

राजपत्र में प्रकाशित		निम्नानुसार पढ़ा जाये	
5	6	5	6
गाटा संख्या	क्षेत्रफल (एकड़)	गाटा संख्या	क्षेत्रफल (एकड़)
33	0.12	33	0.23
36	0.15	37	0.15
37	0.90	36	0.92
38	0.02	38	—
40	0.16	40	0.06
44	0.01	41	—
53	0.18	53	0.08
54	0.12	54	0.22
132	0.06	132	0.02
133	0.22	133	0.26
178	0.15	178	0.24
178/464	0.08	178/464	0.11
186	0.02	186	—

[संख्या एल-14016/17/94 जी.पी.]
अर्धेन्दु, सेन निदेशक

CORRIGENDUM

New Delhi, the 28th April, 1997

S.O. 1238.—In the Gazette of India, Ministry of Petroleum and Natural Gas S.O. No. 508 dated 11-2-95 published on 25-2-95 at page 612 under Sub section (1) of the section 3 of the Petroleum and Mineral Pipeline (Acquisition of Users in land) Act, 1962 (50 of 1962) in respect of Village Badua, Pargana and Tehsil, Auraiya Distt. Etawah be read as follows:

As per Gazette		Be read as corrected below	
5	6	5	6
Survey No.	Area	Survey No.	Area
33	0.12	33	0.23
36	0.15	37	0.15
37	0.90	36	0.92
38	0.02	38	—
40	0.16	40	0.06
44	0.01	41	—
53	0.18	53	0.08
54	0.12	54	0.22
132	0.06	132	0.02
133	0.22	133	0.26
178	0.15	178	0.24
178/464	0.08	178/464	0.11
186	0.02	186	—

[No. L-14016/17/94 G.P.]
ARDHENDU SEN, Director

कृषि मंत्रालय

(कृषि अनुसंधान तथा शिक्षा विभाग)

नई दिल्ली, 27 मार्च, 1997

का०आ० 1239.—केन्द्रीय सरकार, कृषि मंत्रालय, कृषि अनुसंधान तथा शिक्षा विभाग, राजभाषा (संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग) नियम, 1976 के नियम 10 के उपनियम (4) के अनुसरण में एतद्द्वारा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् के राष्ट्रीय कृषि आर्थिकी और नीति अनुसंधान केन्द्र, पूसा जिसके 80 प्रतिशत से अधिक कर्मचारियों ने हिन्दी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है, को अधिसूचित करती है।

[संख्या 13-5/95-हिन्दी]
आर०पी० सरोज, अवर सचिव

MINISTRY OF AGRICULTURE

(Department of Agril, Res. & Education)

New Delhi, the 27th March, 1997

S.O. 1239.—In persuance of Sub Rule 4 of Rule 10 of the Official Language (Use of Official purpose of the Union) Rule 1976, the Central Government, Ministry of Agriculture, Department of Agricultural Research & Education hereby notifies the National Centre for Agricultural Economic and Police Research (ICAR) Pusa where more than 80 per cent of Staff have acquired the working knowledge of Hindi.

[No. 13-5/95-HINDI]
R. P. SAROJ, Under Secy.

वस्त्र मंत्रालय

(हथकरघा विकास आयुक्त का कार्यालय)

नई दिल्ली, 22 अप्रैल, 1997

का.आ. 1240—हथकरघा (उत्पादनार्थ वस्तु आरक्षण) नियम, 1986 के नियम 3 के साथ पठित हथकरघा (उत्पादनार्थ वस्तु आरक्षण) अधिनियम, 1985 (1985 का 22) के खण्ड 4 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा भारत सरकार, वस्त्र मंत्रालय की अधिसूचना का.आ. 634(ई) दिनांक 25 अगस्त, 1993 और 702(ई) दिनांक 20 सितम्बर, 1993 का अधिक्रमण करते हुए केन्द्र सरकार ने एक सलाहकार समिति गठित की है जिसमें निम्नलिखित सदस्य होंगे :—

1. सचिव, वस्त्र मंत्रालय, नई दिल्ली । अध्यक्ष
2. वस्त्र आयुक्त, मुम्बई ।
3. सदस्य सचिव, केन्द्रीय रेशम बोर्ड, बंगलौर ।
4. सलाहकार (हथकरघा) योजना आयोग, नई दिल्ली ।
5. आयुक्त (वस्त्र) कर्नाटक सरकार, बंगलौर ।
6. सचिव (हथकरघा) तमिलनाडू सरकार, चैन्नई ।
7. सचिव (हथकरघा), उत्तर प्रदेश सरकार ।
8. सचिव (हथकरघा), मनीपुर सरकार
9. निदेशक, दक्षिण भारत वस्त्र अनुसंधान संघ, कोइम्बतूर ।
10. सचिव, वस्त्र समिति, मुम्बई ।
11. निदेशक, भारतीय हथकरघा प्रौद्योगिकी संस्थान, जोधपुर ।
12. कार्यकारी निदेशक, केन्द्रीय ऊन विकास बोर्ड, जोधपुर ।
13. सदस्य सचिव, खादी ग्राम उद्योग आयोग ।
14. अध्यक्ष, अखिल भारतीय हथकरघा वस्त्र विपणन सहकारी समिति लि., वाराणसी ।
15. श्री ए. एन. जरीवाला, अध्यक्ष, सूरत आर्ट सिल्क क्लॉथ मेन्युफेक्चरर्स संघ, सूरत, गुजरात ।
16. महा सचिव, भारतीय कपास मिल्स संघ, नई दिल्ली ।
17. अध्यक्ष, पावरलूम विकास एवं निर्यात संवर्धन परिषद, मुम्बई ।
18. मौ. इकबाल, माजगुरा, पोस्ट लाखना, जिला मधुबनी, बिहार ।
19. चौधरी रवीन्द्र कुमार राउत्री, पोस्ट भाटपाड़ा, वाया मदनपुर, जिला केन्द्रपाड़ा, उड़ीसा ।
20. श्री अमीस अहमद, मु. व पो. इखाथा, वाया खतौना, मधुबनी, बिहार ।
21. श्री मन्चू कृष्णा राव, कोरसावदा, पाथापटनम, श्रीकाकुलम जिला, आन्ध्र प्रदेश ।
22. श्री एम. सुब्रामणियन, वीआईपी कालोनी, सम्पतनगर, इरोड-638011, तमिलनाडु ।
23. श्री चन्द्रकान्त कालप्पा सेखा, बुनकर, गुलेडगुड्डा, बादामी तालुक, बीजापुर जिला, कर्नाटक ।
24. अध्यक्ष, हथकरघा निर्यात संवर्धन परिषद, चेन्नई ।
25. अध्यक्ष, तमिलनाडू राज्य हथकरघा बुनकर सहकारी समिति, चेन्नई । ।
26. अध्यक्ष, आन्ध्र प्रदेश राज्य हथकरघा बुनकर सहकारी समिति, हैदराबाद ।
27. अध्यक्ष, पश्चिम बंगाल राज्य हथकरघा बुनकर सहकारी समिति, कलकत्ता ।
28. अध्यक्ष, सम्बलपुरी वस्त्रालय हथकरघा सहकारी समिति लि. बारागढ़, उड़ीसा ।
29. प्रबन्ध निदेशक, ।
उत्तर-पूर्वी हथकरघा एवं हस्तशिल्प विकास निगम, शिलोंग ।
30. प्रबंध निदेशक,
असम गीर्ष बुनकर एवं शिल्पकार सहकारी संघ लि. (आर्टफेड), गुवाहाटी, असम ।
31. विकास आयुक्त हथकरघा सदस्य सचिव

[सं. 14/5/96/डीसीएच/सीईओ]

बी. एल. शर्मा, अपर सचिव एवं विकास आयुक्त (हथकरघा)

MINISTRY OF TEXTILES

(Office of the Development Commissioner for Handloom)

New Delhi, the 22nd April, 1997

S.O. 1240.—In exercise of the powers conferred by Section 4 of the Handlooms (Reservation of Articles for Production) Act, 1985 (22 of 1985) read with Rule 3 of the Handlooms (Reservation of Articles (Rule Production) Rules, 1986 and in supersession of the notifications of the Government of India in the Ministry of Textiles No. S.O. 634(E) and 702(E) dated August 25, 1993 and September 20, 1993 respectively the Central Government hereby constitutes an Advisory Committee with the following members, namely :—

1. Secretary, Ministry of Textiles, New Delhi. Chairman
2. Textile Commissioner, Mumbai.
3. Member Secretary, Central Silk Board, Bangalore.
4. Advisor (Handlooms), Planning Commission, New Delhi.
5. Commissioner (Textiles), Government of Karnataka, Bangalore.
6. Secretary (Handlooms), Govt. of Tamil Nadu, Chennai.
7. Secretary (Handlooms), Govt. of Uttar Pradesh.
8. Secretary (Handooms), Govt. of Manipur.
9. Director,
The South India Textile Research Association, Coimbatore.
10. Secretary, Textile Committee, Mumbai.

11. Director,
Indian Institute of Handloom Technology,
Jodhpur.

12. Executive Director, Central Wool
Development Board, Jodhpur.

13. Member Secretary, Khadi Village
Industries Commission.

14. Chairman,
All India Handloom Fabrics Marketing Coop.
Society Ltd., Varanasi.

15. Shri A. N. Zariwala, President,
Surat Art Silk Cloth Manufacturers Association,
Surat, Gujarat.

16. Secretary General,
India Cotton Mills Federation,
New Delhi.

17. Chairman,
Powerloom Development and Export Promotion
Council, Mumbai.

18. Md. Ikabal,
Mazgura, Post : Lakhna, Distt. Madhubani,
Bihar.

19. Choudri Rabindra Kumar Rautri,
Post, Bhatapada, Via Madanpur,
Distt : Kendrapara, Orissa.

20. Shri Anees Ahmad,
R/o At and PO Ekhatha,
Via Khatauna, Madhubani
Bihar.

21. Shri Manchu Krishana Rao.
Korasavada, Pathapatnam,
Srikakulam Distt.,
Andhra Pradesh.

22. Shri M. Subramanian,
VIP Colony, Sampath Nagar,
Erode-638011,
Tamil Nadu.

23. Shri Chandrakanth Kalappa Sekha,
Weaver, Guledagudda,
Badami Taluk, Bijapura Distt.,
Karnataka.

24. Chairman,
Handloom Export Promotion Council,
Chemmai.

25. Chairman,
Tamilnadu State Handloom Weavers' Coop. Society,
Chennai.

26. Chairman,
Andhra Pradesh State Handloom Weavers Coop.
Society, Hyderabad.

27. Chairman,
West Bengal State Handloom Weavers' Coop. Society,
Calcutta.

28. President,
Sambalpuri Bastralaya Handloom Coop. Society Ltd.,
Baragarh, Orissa.

29. Managing Director,
North Eastern Handlooms and Handicrafts Development Corporation, Shillong.

30. Managing Director,
Assam Anex Weavers and Artisans Coop. Fed. Ltd.
(ARTFED), Guwahati,
Assam.

31. Development Commissioner for Handlooms — Member Secretary

[No. 14/5/96-DCH/CEO]
B. L. SHARMA, Addl. Secy.
& Development Commissioner (Handlooms)

संचार मंत्रालय

(दूर संचार विभाग)

नई दिल्ली, 21 अप्रैल, 1997

का.आ. 1241.—केन्द्रीय सरकार, राजभाषा (संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग) नियम 1976 के नियम 10(4) के अनुसरण में, संचार मंत्रालय, दूरसंचार विभाग के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन निम्नलिखित कार्यालय, जिसमें 80 प्रतिशत से अधिक कर्मचारियों ने हिन्दी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है, को एतद्द्वारा अधिसूचित करती है।

"मुख्य महाप्रबंधक, भारत रत्न भीम राव अम्बेडकर, दूर संचार प्रशिक्षण संस्थान, रिज रोड, जबलपुर"।

[सं. ई-11016/1/94-राजभाषा]
कैलाश दत्ता, उप-निदेशक (राजभाषा)

MINISTRY OF COMMUNICATION

(Department of Telecommunication)

New Delhi, the 21st April, 1997

S.O. 1241.—In pursuance of rule 10(4) of the Official Language (use for official purposes of the Union) rules, 1976 the Central Government hereby notifies following office under the administrative control of Ministry of communication, Department of Telecommunication, whereof more than 80% staff have acquired working knowledge of Hindi.

"Chief General Manager, Bharat Ratan, Bhim Rao Ambedkar, Telecom. Training Institution, Riz Road, Jabalpur (M.P.)".

[No. E-11016/1/94-O.L.]
KAILASH DUTTA, Dy. Director (O.L.)

श्रम मंत्रालय

नई दिल्ली, 7 अप्रैल, 1997

का.आ. 1242.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार स्टेट बैंक आफ सौराष्ट्र, जयपुर के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारो के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, जयपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 7-4-97 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-12011/12/88-डी-III (ए)]
के.वी.बी. उन्नी, डैस्क अधिकारी

MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 7th March, 1997

S.O. 1242.—In pursuance of Section II of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Jaipur as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of State Bank of Saurashtra Jaipur and their workman, which was received by the Central Government on 7-4-1997.

[No. L-12011/12/88-D.III (A)]
K. V. B. UNNY, Desk Officer

अनुबंध

केन्द्रीय औद्योगिक न्यायाधिकरण, जयपुर

केस नं. सी.आई.टी. 65/1989

रेफरेंस : केन्द्र सरकार, श्रम मंत्रालय, नई दिल्ली का आदेश क्र. एल- 12011/12/88-डी-3(ए) दिनांक 6-6-1989

राजस्थान बैंक एम्पलाईज यूनियन, जयपुर।

—प्रार्थी

बनाम

स्टेट बैंक आफ सौराष्ट्र, जयपुर।

अप्रार्थी

उपस्थित

पीठासीन अधिकारी : आर.सी. शर्मा आर.एच.जे.एस.
प्रार्थी की ओर से : श्री जे.एल. शाह
अप्रार्थी की ओर से : श्री ए. सी. उपाध्याय
दिनांक अवार्ड : 20-8-1996

अवार्ड

पक्षकार प्रतिनिधि आज उपस्थित आये। प्रस्तुत प्रकरण में पत्रावली साक्ष्य प्रार्थी हेतु निश्चित थी। किन्तु प्रार्थी की ओर से कोई गवाह आज उपस्थित नहीं है। श्री शाह, प्रार्थी प्रतिनिधि प्रकरण में नो इन्स्ट्रक्शन्स फाईल करते हैं।

उपरोक्त परिस्थिति में मामले में नो डिस्प्यूट अवार्ड पारित किया जाता है जो केन्द्र सरकार को प्रकाशनार्थ नियमानुसार भेजा जावे।

आर. सी. शर्मा, पीठासीन अधिकारी

नई दिल्ली, 8 अप्रैल, 1997

का.आ. 2143—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय पश्चिम रेलवे, सरकार अजमेर के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और के उनके कर्मकारों बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण, अजमेर (राज.) के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 8-4-97 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-41012/55/95-आई.आर. (बी)]
के.वी.बी. उन्नी, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 8th April, 1997

S.O. 1243.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Ajmer (Rajasthan) as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Paschim Railway, Ajmer and their workman, which was received by the Central Government on 8-4-1997.

[No. L-41012/55/95-IR (B)]
K. V. B. UNNY, Desk Officer

अनुबंध

न्यायालय श्रम न्यायाधीश एवं औद्योगिक न्यायाधिकरण, अजमेर (राज.)

सी. आई. टी. आर. 6/96

रेफरेंस नं एल 41012/55/95 आई आर (बी) दिनांक 17-4-96

मंत्री पश्चिम रेलवे कर्मचारी परिषद, प्लाट नं. 7 मकान नं 169 (4), भरोसा साबुन फैक्ट्री के पीछे, धोला भाटा, अजमेर

———प्रार्थी

बनाम

मंडल रेल प्रबन्धक, पश्चिम रेलवे, अजमेर —अप्रार्थी

समक्ष

श्री हरिसिंह यू. अस्नानी, आर. एच. जे. एस.
पीठासीन अधिकारी

प्रार्थी की ओर से श्री एस. के. गोयल
अप्रार्थी की ओर से श्री वी. डी. भार्गव
दिनांक : 31 मार्च 1997

अवार्ड

1. केन्द्र सरकार द्वारा प्रेषित विवाद इस प्रकार है :— "क्या मंडल रेल प्रबंधक पश्चिम रेलवे, अजमेर के द्वारा श्री ताराचंद महावर को सन् 1986 से रिकार्ड शार्टर के वेतनमान 825-1200 में समायोजित नहीं करना उचित एवं वैध है ? यदि नहीं तो श्रमिक किस राहत का अधिकारी है ?"

2. पश्चिम रेलवे कर्मचारी परिषद की ओर से प्रार्थी ताराचंद के संदर्भ में मंडल रेल प्रबंधक पश्चिम रेलवे, अजमेर (जिसे आगे संक्षेप में नियोजक कहेंगे) के विरुद्ध प्रस्तुत स्टेटमेंट आफ क्लेम के मुसंगत तथ्य संक्षेप में इस प्रकार है कि श्रमिक ताराचंद की प्रथम नियुक्ति 18-8-61 को चपरासी के रूप में हुई थी और रेलवे बोर्ड द्वारा रेकार्ड सार्टर (Record Sorter) के पद क्रमोन्नत करने के 1966 में आदेश दिये गये जिसके तहत अजमेर मंडल के उस समय नौ पद में से पांच पद रेकार्ड सार्टर्स के पदस्थापित करने के आदेश जारी किये गये। क्रमोन्नत पांच रेकार्ड सार्टर्स के पद वेतनमान 105-135 में वरिष्ठतम पांच रेकार्ड सार्टर को पदोन्नत किया जाना था जैसा कि गजट दि. 20-1-67 में दर्शाया गया था लेकिन नियोजक ने क्रमोन्नत पांच रेकार्ड सार्टर के पद पर किसी भी वरिष्ठतम कर्मचारी को पदोन्नत नहीं किया जबकि श्रमिक पांच वरीयतम रेकार्ड सार्टर में से एक था। यह कि चतुर्थ वेतन आयोग की सिफारिश के अनुसार वर्ष 86 से रेकार्ड सार्टर का वेतनमान 105-135 था 825-1200 हो गया और श्रमिक को 1966 से रेकार्ड

शार्टर का वेतनमान 105-135 में पदोन्नति होकर वर्ष 86 से रिवाईज्ड पे स्केल 825-1200 में समायोजित नहीं करना नियम विरुद्ध है । अतः तत्संबंधी अनुतोष प्रार्थी ने चाहा है ।

3. नियोजक द्वारा प्रस्तुत जवाब का तात्विक सार यह है कि श्रमिक वर्ष 86 में वेतनमान 80-110/800-1150 में कार्यरत है । श्रमिक की रेकर्ड शार्टर के पद पर नियुक्ति 18-9-70 से हुई उस समय यदि रेकर्ड शार्टर के पद पर नियुक्ति की जाती तो प्रार्थी उसका पात्र नहीं था और भारतीय रेल स्थापना मैन्युल के अनुसार रेकर्ड शार्टर के पांच पदोन्नत पदों को पुनः संशोधित पद कनिष्ठ लिपिक में परिवर्तित कर दिया गया जिसके लिये चयन प्रक्रिया आवश्यक थी और उसमें प्रार्थी उत्तीर्ण नहीं हुआ । यह कि 1986 में रेकर्ड शार्टर का वेतनमान 825-1200 के अस्तित्व में नहीं था और प्रार्थी रेकर्ड शार्टर के पद पर स्थानापन्न के रूप में कार्य कर रहे थे तथा 18-8-70 से उसकी नियमित नियुक्ति की गयी है । अतः 825-1200 में उन्हे पदोन्नत करने का प्रश्न नहीं उठता ।

4. प्रार्थी ताराचन्द ने साक्ष्य में स्वयं को पेश किया है और नियोजक की ओर से श्री सुभाष गुप्ता को पेश किया गया है ।

5. मैंने उभयपक्ष को सुना तथा पत्रावली का सावधानी से अवलोकन किया । प्रार्थी के विद्वान अधिवक्ता ने मेरे समक्ष निम्न तर्क प्रस्तुत किये :—

(1) यह कि रेकर्ड शार्टर का वर्तमान वेतनमान 825-1200 है और 1967 में रेकर्ड शार्टर के पांच पद क्रमोन्नत हुए किन्तु उनमें से केवल दो व्यक्तियों को ही लाभ दिया गया और शेष तीन को नहीं और सन् 86 में पुनः रेकर्ड शार्टर के पद पर क्रमोन्नत हुए और तब 825-1200 का वेतनमान निर्धारित किया गया ।

(2) यह कि रेलवे वर्कशाप के कार्यालय में तथा अकाउंट्स ऑफिस में भी रेकर्ड शार्टर का वही ग्रेड है जो प्रार्थी ने क्लेम किया है किन्तु नियोजक 825-1200 के बजाय रेकर्ड शार्टर को 850-1200 का ग्रेड दे रहे है जो अनुचित है और रेलवे बोर्ड के नियम समस्त भारत में समान है ।

(3) नियोजक ने रेकर्ड शार्टर के लिए कोई परीक्षा आयोजित नहीं की किन्तु कनिष्ठ लिपिक के लिए की जिसका श्रमिक का कोई संबंध नहीं है ।

6. इसके विपरीत नियोजक के विद्वान अधिवक्ता ने मेरे समक्ष निम्न तर्क प्रस्तुत किये :—

(1) यह कि श्रमिक 1966 में तदर्थ रूप से रेकर्ड शार्टर के रूप में कार्यरत था और 1970 में उसे रेकर्ड शार्टर के रूप में स्थिर किया गया । श्रमिक को आगे बढ़ाने के लिए कनिष्ठ लिपिक की परीक्षा में बैठने का अवसर भी दिया गया किन्तु वह अनुत्तीर्ण रहा और पदोन्नति की एक निश्चित प्रक्रिया है जिसमें साक्षात्कार लिखित परीक्षा आदि होती है जो श्रमिक ने उत्तीर्ण नहीं की है और प्रार्थी की ओर से जो बहस की गयी है ऐसे उनके अभिवचन नहीं है । अतः प्रार्थी किसी अनुतोष को प्राप्त करने का अधिकारी नहीं है ।

7. अब हम प्रार्थी ताराचन्द की साक्ष्य का अवलोकन करना चाहेंगे । उसने अपने बयान में कहा कि उसकी 1961 में चपरासी के पद पर नियुक्ति हुई थी और रेकर्ड शार्टर का वेतनमान 825 है जबकि उसे 800 ही दे रहे हैं और जब से उसे रेकर्ड शार्टर बनाया गया तब से रेकर्ड शार्टर के ग्रेड से कम पैसा दे रहे हैं । प्रतिपरीक्षा में इस गवाह ने स्वीकार किया है जो पांच पद क्रमोन्नत किये गये उनका वेतनमान 105-135 था । इस गवाह ने कहा है कि कनिष्ठ लिपिक के चयन की परीक्षा में वह अनुत्तीर्ण हुआ किन्तु उसे रेकर्ड शार्टर के लिए नहीं बुलाया गया ।

8. नियोजक के गवाह सुभाष की साक्ष्य का तात्विक सार यह है कि वह नियोजक कार्यालय में स्थानान्तरण पदोन्नति के मामले को डील करते हैं और प्रार्थी की प्रथम नियुक्ति 1961 में हमाल खलासी के पद पर हुई थी और रेकर्ड शार्टर के रूप में 1970 में उसकी नियमित नियुक्ति हो गयी थी और श्रमिक को रेकर्ड शार्टर के लिए उपयुक्त पाया गया था । इस सम्बन्ध में प्रत्येक प्रदर्श एम—3 है और रेकर्ड शार्टर के पद पर पदोन्नति 1969 में हुई थी और रेकर्ड शार्टर का वेतनमान 225—308/825—1200 में आता है । इस गवाह ने स्वीकार किया है कि जिस परीक्षा में प्रार्थी को बुलाया गया था और वह चयनित नहीं हुआ वह परीक्षा रेकर्ड शार्टर के पद के लिए नहीं थी किन्तु कनिष्ठ लिपिक के लिए थी । इस गवाह को इस बात की जानकारी नहीं है कि सन् 1969 में जो पांच पद रेकर्ड शार्टर के क्रमोन्नत किये गये उन पर अगस्त में किनको क्रमोन्नत किया गया । इस गवाह के अनुसार 1-1-86 से रेकर्ड शार्टर का वेतनमान 800—1150 है । इस गवाह ने स्वीकार किया है कि डिप्टी सी०एम०ओ० (टी०एम०) जो उनके रेल का ही कार्यालय है और कारखाना में भी रेकर्ड शार्टर्स के पद है और प्रदर्श डब्ल्यू—1 प्रत्येक रेलवे कारखाने से सम्बन्धित है जिसका विवरण सही है । इसी प्रकार प्रत्येक प्रदर्श डब्ल्यू—2 व डब्ल्यू—3 उन्हीं के विभाग के हैं । जिस आदेश से रेकर्ड शार्टर के पांच पद कनिष्ठ लिपिकों में परिवर्तित कर दिये गये उसका आदेश पेश नहीं किया गया है और इस गवाह को जानकारी नहीं है कि आदेश किसने जारी किया था । पत्रावली के सूक्ष्म अवलोकन से यह स्थिति प्रकट होती है कि नियोजक द्वारा प्रस्तुत जवाब में प्रार्थी के इस सुझाव का खण्डन किया गया है कि प्रार्थी पांच वरिष्ठतम रेकर्ड शार्टर में से एक था किन्तु अपने

जवाब की धारा सं० 8 में यह स्थिति स्वीकार की है कि प्रार्थी 66 से रेकर्ड सार्टर के रूप में कार्यरत था और उसे यह स्थानापन्न रूप से कार्यरत की संज्ञा देते हैं और नियोजक के अनुसार प्रार्थी 18-8-70 से सार्टर के पद पर नियमित कर दिया गया है किन्तु पदों की पुर्नसंरचना के परिणाम-स्वरूप प्रार्थी को सार्टर के पद पर पदोन्नत नहीं किया जाकर कनिष्ठ लिपिक के रूप में पद क्रमोन्नत किये गये। प्रार्थी की साक्ष्य जातात्विक सार यह निकलता है कि यद्यपि रेलवे के अन्य स्थानीय दो विभागों में सार्टर के पद के लिए 825/- रु० मूल वेतन निर्धारित है तथापि प्रार्थी को आरंभ से इस पद पर कार्य करने के बावजूद 800/- रु० का वेतनमान दे रहे हैं। नियोजक के गवाह ने यह स्वीकार किया है कि प्रार्थी को सार्टर के पद से लिए उपयुक्त पाया गया। इस सम्बन्ध में प्रलेख प्रदर्श एम—3 है। नियोजक की ओर से यह स्थिति स्वीकार की गयी है कि रेकर्ड सार्टर का पद 1969 में क्रमोन्नत किया गया। नियोजक के गवाह ने यह स्थिति स्वीकार की है कि रेलवे के स्थानीय दो विभाग सी०ए०ओ० (टी०ए०) और फैक्टरी में सार्टर के पद हैं और उस सम्बन्धी प्रलेख सही है। इन प्रलेखों में सार्टर का वेतनमान 825/- बताया गया है। नियोजक के इस एकमात्र गवाह ने यह साक्ष्य दी है कि प्रार्थी कनिष्ठ लिपिक की परीक्षा में अनुत्तीर्ण हुआ किन्तु प्रेषित विवाद का सम्बन्ध सार्टर के पद से है न कि कनिष्ठ लिपिक के पद से। नियोजक ने रेकर्ड सार्टर के पदों को कनिष्ठ लिपिकों के पदों में परिवर्तित कर दिया किन्तु इस सम्बन्धी आदेश की प्रति पेश नहीं की गयी है और न ही नियोजक के इस गवाह को जानकारी है कि ऐसा आदेश किसने जारी किया या उक्त पृष्ठभूमि में जब हम प्रदर्श डब्ल्यू—1 और प्रदर्श डब्ल्यू—2 का अवलोकन करते हैं तो यह पाते हैं कि रेलवे के ही स्थानीय विभागों मे रेकर्ड सार्टर का वेतनमान 825/- से 1200/- रु० है। प्रार्थी इसी पद पर स्वयं नियोजक के अनुसार 1966 से कार्य कर रहा है और उसे 18-8-70 को नियमित भी कर दिया गया तब मैं कोई कारण नहीं देखता कि प्रार्थी को रेकर्ड सार्टर का वेतनमान क्यों नहीं मिलना चाहिए। नियोजक ने कनिष्ठ लिपिक की परीक्षा का कथन कह कर और यह दर्शाकर कि प्रार्थी उसमें अनुत्तीर्ण हुआ विवाद को एक गलत दिशा में ले जाने का प्रयास किया जबकि प्रेषित विवाद का इससे कोई सम्बन्ध ही नहीं है। अतः प्रेषित विवाद का अधिनिर्णय इस प्रकार किया जाता है कि श्रमिक ताराचन्द म्हावर को 1986 से रेकर्ड सार्टर के वेतनमान 825—1200 के वेतनमान में समायोजित नहीं करना उचित एवं वैध नहीं है। अतः श्रमिक 825—1200 का वेतनमान मुख्य कारखाना प्रबन्धक, कार्यालय एवं ट्रैफिक अकाउन्ट्स कार्यालय में जब से प्रभावी हुआ तब से उसका हकदार माना जाएगा और तदनुसार उसका वेतन समायोजित किया जाएगा।

हरिसिंह यू० अस्तानी, न्यायाधीश

नई दिल्ली, 15 अप्रैल, 1997

का. आ. 1244.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार मै० बी. सी. सी. एल. के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण (सं-1), धनबाद के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 15-4-97 को प्राप्त हुआ था।

[सं एल-20012/84/92-आईआर (सी-1)]
के. वी. बी. उन्नी, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 15th April, 1997

S.O. 1244.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, (No. 1), Dhanbad as shown in the Annexure, in the industrial dispure between the employers in relation to the management of M/s. B.C.C.L. and their workmen, which was received by the Central Government on 15-4-1997.

[No. L-20012/84/92-IR (C-I)]
K. V. B. UNNY, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. I, DHANBAD

In the matter of a reference under Section 10(1)(d) (2-A) of the Industrial Disputes Act, 1947

Reference No. 121 of 1992

PARTIES :

Employers in relation to the management of East Bhuggatdih Colliery of M/s. B.C.C. Ltd.

AND

Their Workmen.

PRESENT :

Shri Tarkeshwar Prasad, Presiding Officer.

APPEARANCES :

For the Employers—Shri R. C. Jha, Advocate.

For the Workmen—Shri S. P. Singh, Secretary, Khan Mazdoor Sangh.

STATE : Bihar INDUSTRY : Coal

Dated, the 4th April, 1997

AWARD

By Order No. 20012/84/92-I.R. (Coal-I) dated 25-2-92 the Central Government in the Ministry of Labour has, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-sec-(1) and sub-section (2-A) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, referred the following dispute for adjudication to this Tribunal :

"Whether the action of the management of East Bhuggatdih Colliery, Kustore Area of M/s. BCCL, Dhanbad is justified in superannuating Sri Ambika Rewani from 1-7-90 taking his date of birth as 1-7-30 instead of 1-7-42 as stated by the workman in his representation received by the management on 14-7-88 ? If not, to what relief the workman is entitled ?"

2. The case was fixed on 4-4-1997 for adducing evidence on behalf of the management. But Shri R. C. Jha, Advocate, appearing on behalf of the management on 4-4-1997 filed

a petition dated 3-3-1997 duly signed by the concerned workman stating therein that the workman is not interested to proceed with the case further and desires to withdraw the case.

3. In such circumstances, a 'no dispute' is rendered.

TARKESHWAR PRASAD, Presiding Officer

नई दिल्ली, 15 अप्रैल, 1997

का. आ. 1245.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार बिहार मिनरल डेवलपमेंट कार्पोरेशन लि. के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण सं०-1 धनबाद के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 15-4-97 को प्राप्त हुआ था ।

[सं एल-29011/29/88-डी-III-(बी)]
के. वी. बी. उन्नी, डस्क अधिकारी

New Delhi, the 15th April, 1997

S.O. 1245.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, No. I Dhanbad as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Bihar Mineral Development Corporation Ltd., and their workmen, which was received by the Central Government on 15-4-1997.

[No. L-29011/29/88-D.III (B)]
K. V. B. UNNY, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. I, DHANBAD

In the matter of a reference under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947

Reference No. 103 of 1991

PARTIES :

Employers in relation to the management of Bihar Mineral Development Corporation Ltd.

AND

Their Workmen.

PRESENT :

Shri Tarkeshwar Prasad, Presiding Officer.

APPEARANCES :

For the Employers—Shri H. Nath, Advocate.

For the Workmen—None.

STATE : Bihar INDUSTRY : Mineral

Dated, the 4th April, 1997

AWARD

By Order No. L-29011/29/88-D.III (B)-I.R. (Misc.) dated 23-10-1991 the Central Government in the Ministry of Labour has, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, referred the following dispute for adjudication to this Tribunal :

"Whether the demand of the union that Shri Jadunath Singh and 39 others indicated in the Annexure should be regularised is justified ? If so, to what relief the workmen are entitled and from which date ?"

2. The order of reference was received in this Tribunal on 29-10-1991 and thereafter notices were issued to the parties. Both the parties filed their respective written statements, rejoinder. But since 31-1-1995 none is appearing on behalf of the workmen despite registered notice sent to the sponsoring union. It, therefore, appears that neither the concerned workmen nor the sponsoring union is interested in prosecuting the case.

3. Under such circumstances, I render a 'no dispute' award in the present reference.

TARKESHWAR PRASAD, Presiding Officer

नई दिल्ली, 15 अप्रैल, 1997

का०आ० 1246.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार कल्यानपुर सीमेंट लिमिटेड, के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, सं०-1 धनबाद के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 15-4-97 को प्राप्त हुआ था ।

[सं० एल-29011/40/91-आई. आर. (विविध)]
के०वी०बी० उन्नी, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 15th April, 1997

S.O. 1246.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, No. I, Dhanbad as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Kalyanpur Cement Ltd., and their workman, which was received by the Central Government on 15-4-1997.

[No. L-29011/40/91-IR (Misc)]
K. V. B. UNNY, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. I, DHANBAD

In the matter of a reference under Section 10(1)(d) (2-A) of the Industrial Disputes Act, 1947

Reference No. 78 of 1991

PARTIES :

Employers in relation to the management of Kalyanpur Cement Ltd.

AND

Their Workmen.

PRESENT :

Shri Tarkeshwar Prasad, Presiding Officer.

APPEARANCES :

For the Employers—Shri G. Prasad, Advocate.

For the Workmen—Shri B. B. Pandey, Advocate.

STATE : Bihar INDUSTRY : Cement

Dated, the 4th July, 1997

AWARD

By Order No. L-29011/40/91-I.R. (Misc.) dated 16-8-1991 the Central Government in the Ministry of Labour has, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) and sub-section (2-A) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, referred the following dispute for adjudication to this Tribunal :

"Whether the action of the management of Kalyanpur Cement Company in dismissing its employees Md. Suleman and 17 others (list enclosed) employed in stone quarries and other departments with effect from 26-3-1991 is justified ? If not, to what relief the workmen are entitled ?"

2. A petition has been filed by Shri G. Prasad, Advocate, on behalf of the Employers stating therein that the 13 workmen out of 18 concerned workmen have amicably settled their disputes with the management, whose names are mentioned in the petition.

3. Accordingly, on the basis of the compromise petition 13 concerned workmen disputes, named in the petition, are disposed of and award is made. The petition shall form part of the award.

4. Rest 5 concerned workmen s disptue will remain pending for which 23-5-1997 has been fixed for hearing.

TARKESHWAR PRASAD. Presiding Officer

कर्मकारों की सूची

	नाम	पदनाम
1.	श्री मो० सुलेमान	एच. ई. ओ.
2.	श्री बद्री राम	"
3.	श्री महेश्वर शुक्ला	"
4.	श्री सुमेर प्रसाद	"
5.	श्री मुंगल सिंह	"
6.	श्री दीनानाथ पाठक	"
7.	श्री शिव शंकर मुण्डा	"
8.	श्री मो० मुस्ताक	"
9.	श्री चन्द्रदेव महतो	डीलर
10.	श्री राम सुरेश तिवारी	"
11.	श्री दशरथ राम	मजदूर
12.	श्री जालीम खां	"
13.	श्री नन्हक साह	"
14.	श्री बालकेश्वर ठाकुर	"
15.	श्री चन्द्रदेव दुसाध	"
16.	श्री मनदेव राम	"
17.	श्री लाख देव यादव	मजदूर पैकिंग हाउस
18.	श्री कोष सायिन	

BEFORE THE PRESIDING OFFICER
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1, DHANBAD

Ref. 78/91

Employers in relation to the management of M/s. Kalyanpur Cements Ltd.

AND

Their workmen.

The employers beg to inform that out of 18 workmen concerned whose dispute is pending for an adjudication the following workmen have amicably settled their case with the employers on the terms and conditions mentioned in their respective compromise petition.

Name of the workmen concerned

Contractor's worker

1.	Sukhdeo Yadav	Sl. No.	17
2.	Md. Yasin	-do-	18
3.	Sumer Prasad	-do-	4
4.	Badri Ram	Sl. No.	2
5.	Sheo Shankar Munda	-do-	7
6.	Nanak Shaw	-do-	13
7.	Mandoo Ram	-do-	16
8.	Maheshwar Shukla	-do-	3
9.	Dasrath Ram	-do-	11
10.	Mangal Singh	-do-	5
11.	Mustaq Ahmed	-do-	8
12.	Chandra Deo Mahto	-do-	9
13.	Md. Sulman	-do-	1

It is therefore praved that an award may be passed accordingly and their case may kindly be disposed of.

And for this act of kindness the employer shall ever pray.

नई दिल्ली, 10 अप्रैल, 1997

का.आ. 1247.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एफ सी आई के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण कानपुर के पंचाट को प्रकाशित करती है जो केन्द्रीय सरकार को 8-4-97 को प्राप्त हुआ था ।

[सं एल-22012/212/एफ/91-आई आर (सी-II)]
बी. एम. डेविड, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 10th April, 1997

S.O. 1247.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal, Kanpur as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of F.C.I. and their workman, which was received by the Central Government on the 8-4-97.

[No. L-22012/212/F/91-IR C-II]
B. M. DAVID, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE SHRI B. K. SRIVASTAVA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, PANDU NAGAR, KANPUR

Industrial Dispute No. 11 of 1992

In the matter of dispute between :
Sri Nankoo,
S/o Sri Jagannath,
C-1296, Rajajipuram,
Lucknow.
AND
District Manager,
Food Corporation of India,
B. N. Road, Lucknow

AWARD

1. Central Government, Ministry of Labour, New Delhi, vide its notification no. L-22012/212/F/91-IR (C-II) dated 4-2-92 has referred the following dispute for adjudication to this Tribunal—

"Whether the District Manager Food Corporation of India, Lucknow was justified in terminating the services of Sri Nankoo son of Jagannath, Casual, Labour w.e.f. 31-5-82 is in violation of section 25F of I.D. Act, 1947 ? If not, to what relief the workman was entitled to?"

2. The case of the concerned workman Nankoo is that he was appointed as casual labour in December 1980 and worked upto 31-5-82 with the opposite party Food Corporation of India and thereby he had completed more than 240 days in a year. His services were brought to an end after 31-5-82 without payment of notice pay and retrenchment compensation hence this retrenchment is bad being in breach of section 25F of I.D. Act.

3. The case of the management is that the concerned workman during the last one calendar year from June 1981 to May 82 had completed 147 days only and had worked in broken period and as such his case is not covered by section 25F I.D. Act. Apart from this the claim is much belated having been raised after the lapse of about 10 years. In the rejoinder nothing new has been said.

4. In support of his case the concerned workman Nankoo M.W. 1 has stated that in one calendar year he had completed for more than 240 days whereas Ansar Hussain M.W. 1 has stated that he had worked only for 147 days. In his cross-examination he had conceded that the payment was made to the concerned workman through attendance register and his attendance was worked through attendance register. But copies of attendance register from June 1981 to May 1982 and pay sheets have not been filed. It is not their case that these papers have been lost. In its absence the adverse inference is to be drawn against the management. Hence drawing such inference I accept the evidence of concerned workman and hold that he had completed more than 240 days in a year preceding his retrenchment. As such provisions of section 25F of I.D. Act are attracted.

5. Since no retrenchment compensation and notice pay was given this retrenchment is bad.

6. Retrenchment took place in May 1982 whereas this reference is claimed in May 1990. Thus there is lapse of about 8 or 9 years for which no explanation has been given. In the case of Balwant Singh Versus Presiding Officer Labour Court Bhatinda Lab. IC 1996, page 45 it has been held that where there is unexplained delay of more than six years in seeking reference, the concerned workman would not be entitled for his reinstatement and back wages. Relying upon this authority, it is held that the concerned workman is not entitled for reinstatement and back wages. Instead in lieu of this he would be entitled for compensation of Rs. 10,000 from the management.

B. K. SRIVASTAVA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 10 अप्रैल, 1997

कां. ग्रा. 1248—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार डब्ल्यू सी एल के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, मुम्बई नं० 2 के पंचापट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 7-4-97 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-22012/501/91-आई आर (सी-II)]
बी. एम. डेविड, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 10th April, 1997

S.O. 1248.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal, Mumbai No. 2, as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of W.C. Ltd., and their workmen, which was received by the Central Government on 7-4-97.

[No. L-22012/501/91-IR II]
B. M. DAVID, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 2, MUMBAI

PRESENT :

Shri S. B. Panse, Presiding Officer

Reference No. CGIT-2/49 of 1992

Employer in relation to the management of New Majri Colliery of W.C. Ltd.

AND

Their Workmen

APPEARANCE :

For the Employer.—Mr. G. S. Kapur, Advocate.

For the Workmen.—Mr. S. R. Pendre Representative.

Mumbai, dated 25th March, 1997

AWARD—PART-II

On 8-10-96 by Part-I award I had given findings on Issue Nos. 1 to 6. By this award I will be answering the remaining issues. But before that it is necessary to summarise the facts of the case.

2. The worker Mahadeorao Madavi was appointed as a ground loader from 18-5-81. It was a New Majri Colliery of W.C. Ltd. of Wani area. He was residing at Bhadravati which is about 20 Km. away. On 19-5-84 he fell sick. Instead of taking treatment of Colliery doctor which is at the longer distance he started taking treatment at his place where he resided. He claimed to have sent the application to the manager informing his sickness and requested him to grant leave. Later on a charge-sheet was issued to him for habitual late attendance and absence without leave or without sufficient cause. The inquiry officer conducted the inquiry and found him guilty of the charges. I came to the conclusion that the inquiry which was started against him was as per the Principles of Natural Justice and the inquiry officer did not worked as the inquiry officer but as the managements representative.

3. Now the issues that fall for my consideration and my findings there on are as follows :

	Issues	Findings.
7.	Whether the subsistence allowance, as claimed by the workman has already been paid to him by the management ?	Yes.
8.	Whether the dismissal of Shri Mahadeorao Madavi, U/GM Loader from 27-9-88 and non-payment of subsistence allowance from 18-6-84 to 27-9-88 by the Sub-Area Manager, New Majri Colliery W.C. Ltd., Wani Area, Chandrapur is legal and justified ?	Yes.
9.	If not, to what relief the workman is entitled ?	Does not survive.
10.	What Award	As per order.

REASONS

4. In the statement of claim the worker had claimed that he did not received subsistence allowance. He did affirm to that effect. But he did not present himself for cross-examination after Part-I Award was passed. In other words there is no oral evidence of not receiving the subsistence allowance. He had not produced documentary evidence also.

5. Sukhdeo Mahato (Exhibit-13) the welfare officer affirmed that subsistence allowance is invariably paid 1/2 wages for the period of suspension pending inquiry if it is in excess of ten days. He affirmed that 1/2 of his wages were regularly paid for the period in excess of first ten days of suspension in terms of relevant standing order. According to him preservation period for the payment record is only three years as per the payment of wages (Mines Rules). It is tried to argue on behalf of the management, under such circumstances no record can be produced to show that such a payment was made. There is no

record to show that the worker in writing made complaint to authorities for non receipt of the subsistence allowance. The judicial notice is to taken of the fact that in normal course subsistence allowance must have been paid to the worker. There is no specific reason why the management refused to pay it to him. There is no reason why the testimony of Mahato has to be rejected. In his cross-examination certain difficulties are tried to be brought on the record but they are relevant for coming to the conclusion that the subsistence allowance was not paid.

6. Nothing is on the record to show that the action which is taken by the management in dismissing the workman is shockingly disproportionate, to the charges proved. It is common knowledge that in the colliery to avoid the work the employees remained absent unauthorisedly. It is therefore the serious view is taken in such matters to cope up with the production. I have come to the conclusion that the domestic inquiry which was held against the workman was as per the Principles of Natural Justice. It can be seen that the worker accepted the guilt. It can be further seen that the attendance registers were produced on the record which clearly establishes his absence from duty. The burden was on the worker to show that he remained absent with justification. But he failed to do so. I therefore find that the report which was submitted by the inquiry officer is well reasoned and there is no illegality.

7. For the above stated reasons I record my findings on the issues accordingly and pass the following order :

ORDER

The dismissal of Shri Mahadeorao Madavi, U/GM Loader from 27-9-88 is legal and justified. The subsistence allowance was paid to the worker from 18-6-84 to 27-9-88.

S. B. PANSE, Presiding Officer

नई दिल्ली, 11 अप्रैल, 1997

का०आ० 1249 :—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार श्री कॉनमीका परैरा ऑनर आफ लांच के प्रबन्धतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, सं०-2—बम्बई के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 11-4-97 को प्राप्त हुआ था ।

[संख्या एल–36012/3/85–डी-IV(ए)]
बी०एम० डेविड, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 11th April, 1997

S.O. 1349.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal, No. 2, Bombay as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Shri Conceicao Pereira owner of Launch and their workman, which was received by the Central Government on 11-4-97.

[No. L-36012/03/85-D-IV(A)]
B. M. DAVID, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 2, MUMBAI

PRESENT :

Shri S. B. Panse, Presiding Officer

Reference No. CGIT-2/35 of 1986

Employers in relation to the Management of Shri Conceicao Pereira Owner of Launch 'Joseph Anselmo'.

AND

Their Workmen

APPEARANCE :

For the Employer.—Shri S. N. N. Karmali, Advocate.

For the Workmen.—Shri Subhas Naik, Representative.

Mumbai, dated 1st April, 1997

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour by its Order No. L-36012/3/85-D.IV(A), dated 19-8-86, had referred to the following Industrial dispute for adjudication :

"Whether the action of Shri Conceicao Pereira, Owner of Launch 'Joseph Anselmo' in terminating the service of Shri Ganesh Naik, Khalsee, with effect from 28-10-1984 is justified ? If not, to what relief the workman is entitled to ?"

2. The workman Ganesh Naik filed a statement at Exhibit-2. He contended that he was employed by Conceicao Pereira, owner of Launch 'Joseph Anselmo' on 10-10-82. The employer orally terminated his service from 20-10-84. He was paid Rs. 500 per month as salary.

3. The workman pleaded that when his services were terminated he was not paid notice charges nor compensation payable under section 25 F of the Industrial Disputes Act of 1947. It is submitted that mandatory provisions contemplated under the Act at the time of retrenchment were not followed by the employer. He therefore claimed that his termination is illegal and void. He prayed for reinstatement in service with full back wages and continuity.

4. The employer resisted the claim by the written statement Exhibit-3. It is pleaded that the management did not terminate the services of the workman as alleged, but he abandoned the service on his own with effect from 29-10-84. It is because on the earlier date the workman and one Fransico Fernandes were caught red handed when they hid 25 baskets of fish worth Rs. 5000 in the boat. Thereafter they never returned back. It is submitted that the address of the workmen was not known to the employer. But later on inquiry it was noticed that from the next date they are gainfully employed with other ship owners. It is submitted that as the workman himself abandoned the service there is no question of compliance of provisions of section 25 of the Industrial Disputes Act of 1947. It is averred that he was paid Rs. 450 per month as the wages and they were paid to him up to September '1984. It is averred that as the workman did not give any notice before leaving the job the wages for the period between 1-10-84 to 29-10-84 are to be set off against the notice charges. It is submitted that the workman is not entitled to any of the reliefs.

5. The issues that fall for my consideration and my findings there on are as follows :

	Issues	Findings.
1.	Whether the employer terminated the services of the workman Shri Ganesh Naik orally w.e.f. 28-10-84 ?	No.
2.	If so, whether the said termination of service is in contravention of the provisions contained in section 25D of the Industrial Disputes Act ?	Does not survive.
3.	Whether the said workman himself abandoned the service of the employer w.e.f. 29-10-84 ?	Yes.
4.	To what relief, if any the said workman is entitled ?	Enetitled to the salary between 1-10-84—28-10-84 with 6 percent interest per annum.
5.	What Award ?	As per order.

REASONS

6. It is not in dispute that Ganesh and one Fernandes were employed by Conceicao Pereira. They were employed at the ship which is used for passengers. But they were also used for the work of fishing operations. Alongwith this reference the dispute which is raised by Fernandes is also pending before the Tribunal which is having No. 30 of 1986. Both the parties informed the Tribunal that they do not want to lead any oral evidence in the matter. It was on 18-5-89. From the Rojnama in reference no. 35 of 1986 it is clear that the management filed the list of witnesses and requested the Tribunal to allow him to lead evidence. The permission was granted. The management examined few. Pereira; Shiva Limbaji Chavhan Jose Fernanades; Mahesh Ratnakar; and Gabriel D'Souza. As against this there is no oral evidence on behalf of the worker.

7. From the testimony of management witness it is very clear that Gernanades and Ganesh were employed by Pereira and were paid Rs. 450 per month as the wages. They were also doing fishing operations. On 27-10-84 both these workers were found red handed concealing 25 baskets of fish worth Rs. 5000. in the launch. The owner at that time threatened that they will be handed over to the police for that mischief. But he restrained himself from doing so. On the next date that is on 28-10-84 they did not turn to the duty. Their where abouts were not known to him. It is tried to argue on behalf of the management that as their whereabouts were not known to the owner they could not be served with a notice. There is no cross-examination to show that the whereabouts of the workers were available with the management and they purposefully did not send the notice.

8. So far as the incident of hiding fish baskets in the launch is concerned there is corroboration of management witnesses. It can be further seen that there is no denial by the worker. As this is so I have no hesitation for coming to the conclusion that, that incident took place. The natural consequence of it is the owner must have said to the workker that he will be hand over them to the police. The result appears to be that from the next date they did not turn up It appears to be logical. If really their services would have been terminated immediately they would have given notice to the owner regarding the same. But in this case it does not appear to have taken place. It is rightly argued that to safeguard the interest of the worker this dispute is raised to avoid criminal prosecution. I find substance in it. In other words it has to be said that it is a counter attack by the worker to the management.

9. For the above stated reasons it has to be said that the worker abandoned the services from 28-10-84. The Learned advocate for the management submitted that as there is abandonment of the service there is nothing like non compliance of section 25 F of the Industrial Disputes Act of 1947 I find substance in it.

10. From the testimony of management witnesses it reveals that the worker was gainfully employed immediately after their abandonment. It is argued on behalf of the management that in that area it is common knowledge that such a type of incident took place. then these workers join the other ship owner for doing the job and they were absorbed immediately. They started getting the wages immediately. There is sufficient evidence on the record to show that the workers were gainfully employed immediately. The worker had not entered into the witnes box to deny this position. I therefore find that they were gainfully employed immediately after the abandonment.

11. The Learned Advocate for the management submitted that the management could not address any notice to these workers at initial stage as their whereabouts were not known. Nothing is shown to me to show that the management had the addresses of the worker with them. It is further argued on behalf of the management that the worker did work with the management from 1-10-84 to 28-10-84. That is the last date when they did not turn up. Therefore they are entitled to wages at the rate of Rs. 450 per month He also accepted that they are entitled to a nominal interest on that amount. I find substance in it.

12. For the above stated reasons I find that the worker abandoned the services himself. He is not entitled to reinstatement in service with full back wages. But at the same time he is entitled to the wages for the period which he worked alongwith interest, at the rate of 6 percent per annum. In the result I record my findings on the issues accordingly and pass the following order :

ORDER

Shri Conceicao Pereira, owner of Lanuch Joseph Ansaelmo' did not terminate the service of Shri Ganesh Naik, Khalasee, w.e.f. 28-10-1984.

The worker abandoned the service. The management is directed to pay the worker wages for the period between 1-10-84 to 28-10-84 at the rate of Rs. 450 per month with six per cent interest per annum on the due amount from 28-10-84 till its payment.

S. B. PANSE, Presiding Officer

नई दिल्ली, 11 अप्रैल, 1997

का०आ० 1250—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार कॉनसीको परेरा ऑनर ऑफ लॉच के प्रबन्धतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, सं०-2-मुम्बई के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 11-4-97 को प्राप्त हुआ था ।

[संख्या एल-36012/4/85-डी-4(ए)]

बी०एम० डेविड, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 11th April, 1997

S.O. 1250.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Indistrial Tribunal No. 2, Bombay as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Shri Conceicao Pereira Owner of Launch and their workman, which was received by the Central Government on 11-4-97.

[No. L-36012/4/85-D-IV(A)]

B. M. DAVID, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 2, MUMBAI

PRESENT :

Shri S. B. Panse, Presiding Officer.

Reference No. CGIT-2/30 of 1986

Employers in relation to the Management of Shri Conceicao Pereira, Owner of Launch 'Joseph Anselmo'.

AND

Their Workmen.

APPEARANCES :

For the Employer : Shri S. N. N. Karmali, Advocate.

For the Workmen. Shri Subhas Naik Representative.

Mumbai, dated 1st April, 1997

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour by its Order No. L-36012/4/85-D.IV(A), dated 31st July, 1986, had referred to the following Industrial Dispute for adjudication :

"Whether the action of Shri Conceicao Pereira Owner of Launch 'Joseph Anselmo' in terminating the services of Shri Francisco Fernandes, Sukani with effect from 28-10-1984 is justified? If not, to what relief the workmen is entitled?"

2. The workman Francisco Fernandes, filed a statement at Exhibit-3. He contended that he was employed by Conceicao Pereira owner of launch 'Joseph Anselmo' on 10-10-82. The employer orally terminated his service from 20-10-84. He was paid Rs. 500 per month as the salary.

3. The workman pleaded that when his services were terminated he was not paid notice charges nor compensation payable under section 25F of the Industrial Disputes Act of 1947. It is submitted that mandatory provisions contemplated under the Act at the time of retrenchment were not followed by the employer. He therefore claimed that his termination is illegal and void. He prayed for reinstatement in service with full back wages and continuity.

4. The employer resisted the claim by the written statement Exhibit-5. It is pleaded that he management did not terminate the services of the workman as alleged, but he abandoned the service on his own with effect from 29-10-84. It is because on the earlier date the workman and one Ganesh Naik were caught red handed when they hid 25 baskets of fish worth Rs. 5000 in the boat. Thereafter they never returned back. It is submitted that the address of the workmen was not known to the employer. But later on inquiry it was noticed that from the next date they are gainfully employed with other ship owners. It is submitted that as the workmen himself abandoned the service there is no question of compliance of provisions of section 25 of the Industrial Disputes Act of 1947. It is averred that he was paid Rs. 450 per month as the wages and they were paid to him upto September, 1984. It is averred that as the workman did not give any notice before leaving the job the wages for the period between 1-10-84 to 29-10-84 are to be set off against the notice charges. It is submitted that the workman is not entitled to any of the reliefs.

5. The issues that fail for my consideration and my findings there on are as follows :

Issues	Findings
1. Whether the workman himself abandoned the services of the employer w.e.f. 29-10-84?	Yes.
2. Whether the employer terminated the services of the workman w.e.f 28-10-84 orally?	No.
3. If so, whether the said termination is in contravention of the provisions contained in section 25F of the Industrial Disputes Act?	Does not survive
4. To what relief, if any, the workman is entitled?	Entitled for the salary between 1-10-84 to 28-10-84 with interest thereon.
5. What Award?	As per order.

REASONS

6. It is not in dispute that Fernandes and one Ganesh were employed by Conceicao Pereira. They were employed at the ship which is used for passengers. But they were also used for the work of fishing operations. Along with this reference the dispute which is raised by Ganesh is also pending before the Tribunal which is having No. 35 of 1986. Both the parties informed the tribunal that they do not want to lead any oral evidence in the matter. It was on 18-5-89. From the Rojnama in reference number 30 of 1986 it is clear that the management filed the list of witnesses and requested the Tribunal to allow him to lead evidence. The permission was granted. The management examined few. Pereira (Exhibit-12), Shiva Limbali Chavhan (Exhibit-16), Jose Fernandes (Exhibit-17), Mahesh Ratnakar (Exhibit-18) and Gabriel D'Souza (Exhibit-21). As against this there is no oral evidence on behalf of the worker.

7. From the testimony of management witnesses it is very clear that Fernandes and Ganesh were employer by Pereira and were paid Rs. 450 per month as the wages. They were also doing fishing operations. On 27-10-84 both these workers were found red handed concealing 25 baskets of fish worth Rs. 5000 in the launch. The owner at that time threatened that they will be handed over to the police for that mischief. But he restrained himself from doing so. On the next date that is on 28-10-84 they did not turn to the duty. Their whereabouts were not known to him. It is tried to argue on behalf of the management that as they whereabouts were not known to the owner they could not be served with a notice. There is no cross-examination to show that the whereabouts of the workers were available with the management and they purposefully did not send the notice.

8. So far as the incident of hiding fish baskets in the launch is concerned there is corroboration of management witnesses. It can be further seen that there is no denial by the worker. As this is so I have no hesitation for coming to the conclusion that, that incident took place. The natural consequence it is the owner must have said to the worker that he will be hand over them to the police. The result appears to be that from the next date they did not turn up. It appears to be logical. If really their services would have been terminated immediately they would have given notice to the owner regarding the same. But in this case it does not appear to have taken place. It is rightly argued that to safeguard the interest of the worker this dispute is raised to avoid criminal prosecution. I find substance in it. In other words it has to be said that it is a counter attack by the worker to the management.

9. For the above stated reasons it has to be said that the worker abandoned the services from 28-10-86. The Learned Advocate for the management submitted that as there is abandonment of the service there is nothing like non-compliance of section 25F of the Industrial Disputes Act of 1947. I find substance in it.

10. From the testimony of management witnesses it reveals that the worker was gainfully employed immediately after their abandonment. It is argued on behalf of the management that in that area it is common knowledge that such a type of incident took place, then these workers join the other ship owner for doing the job and they were absorbed immediately. They started getting the wages immediately. There is sufficient evidence on the record to show that the workers were gainfully employed immediately. The worker had not entered into the witness box to deny this position. I therefore find that they were gainfully employed immediately after the abandonment.

11. The Learned Advocate for the management submitted that the management could not address any notice to these workers at initial stage as their whereabouts were not known. Nothing is shown to me to show that the management had the addresses of the worker with them. It is further argued on behalf of the management that the worker did work with the management from 1-10-84 to 28-10-84. That is the last date when they did not turn up. Therefore they are entitled to wages at the rate of Rs. 450 per month. He also accepted that they are entitled to a nominal interest on that amount. I find substance in it.

12. For the above stated reasons I find that the worker abandoned the services himself. He is not entitled to reinstatement in service with full back wages. But at the same time he is entitled to the wages for the period which he worked alongwith interest, at the rate of 6 per cent per annum. In the result I record my findings on the issues accordingly and pass the following order :

ORDER

Shri Conceicao Pereira, owner of Launch 'Joseph Anselmo' did not terminate the services of Francisco Fernandes Sukani w.e.f. 28-10-1984.

The worker abandoned the service.

The management is directed to pay the worker wages for the period between 1-10-84 to 28-10-84 at the rate of Rs. 450 per month with six per cent interest per annum on the due amount from 28-10-84 till its payment.

S. B. PANSE, Presiding Officer

Printed by the Manager, Govt. of India Press, Ring Road, Mayapuri, New Delhi-110064
and Published by the Controller of Publications, Delhi-110054 1997